साप्ताहिक
आरएनआई न. :– जेकेएचआईएन/25/ए0631
सबका जम्मू कश्मीर
हिन्दी • वर्षः 1 • अंकः 18 • कठुआ, शनिवार 27 सितम्बर 2025 • पृष्ठः 16 • मूल्यः 5 रुपए

अटल टिंकरिंग लैब्स द्वारा जम्मू-कश्मीर का नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र स्कूल स्तर पर तेजी से बदल रहा है : एलजी सिन्हा

सबका जम्मू कश्मीर

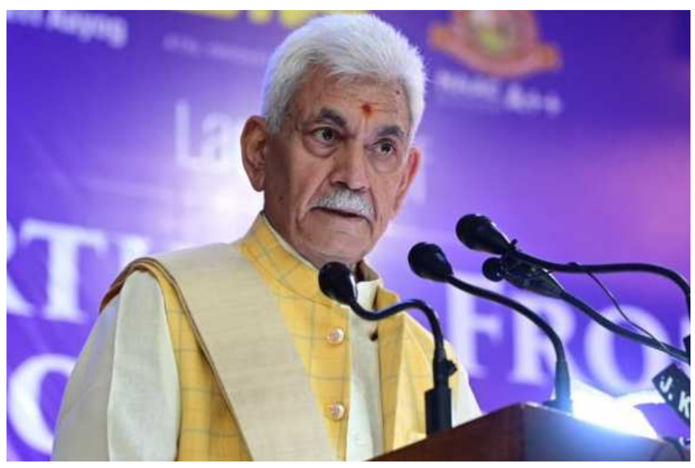

श्रीनगर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को नवाचार से प्रेरित समाज में बदल रहे हैं, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज कहा। उन्होंने कहा कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विभिन्न क्षेत्रों के लिए एआई–संचालित समाधानों में एक वैश्विक नेता है और डिजाइन और विकास तक अपनी पहुंच का विस्तार कर रहा है। वह कश्मीर विश्वविद्यालय में एटीएल सारथी के शुभारंभ पर बोल रहे थे।

विश्वविद्यालय एटीएल सारथी पहल के लिए एक नोडल संस्थान के रूप में कार्य करता है, जो जम्मू–कश्मीर के स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब्स (एटीएल) के साथ मजबूत निगरानी तंत्र और मजबूत संस्थागत संबंध स्थापित करने के लिए नीति आयोग के साथ सहयोग कर रहा है। यह पहल एटीएल शिक्षकों के लिए मेंटरशिप, क्षमता निर्माण और छात्रों के विचारा. ` को व्यावसायिक प्रोटोटाइप में बदलने में मार्गदर्शन प्रदान करने पर केंद्रित होगी।

अपने संबोधन में, उपराज्यपाल ने एटीएल सारथी पहल की सराहना की उन्होंने कहा, ՙअटल टिंकरिंग लैब पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को एक सच्ची श्रद्धांजलि है। ये लैब हमारे युवा छात्रों को सशक्त बना रही हैं और उन्हें नई खोज और आत्म–विकास के साधन प्रदान कर रही हैं, साथ ही समस्या–समाधान जैसे कौशल भी प्रदान कर रही हैं। भारत की ՙअमृत पीढ़ी की जिज्ञासा को पोषित करके, एटीएल लैब एक विक. सित और आकांक्षी राष्ट्र की नींव रख रही हैं।՚

उपराज्यपाल ने अटल टिंकरिंग लैब द्वारा स्कूल स्तर पर जम्मू–कश्मीर के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में हो रहे निरंतर परिवर्तन पर भी बात की।

उन्होंने कहा कि जम्मू, उधमपुर, राजौरी, कुलगाम, शोपियां, श्रीनगर और कई अन्य जिलों में छात्र–नेतृत्व वाले नवाचार में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है और छात्रों को भविष्य

■ शेष पेज 2...

भारत की गंतव्य 2047 की यात्रा के पथप्रदर्शक जम्मू-कश्मीर : डॉ. जितेंद्र

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान और पीएमओ, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में भारत

■ शेष पेज 2...

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बढ़ते सीमा खतरों से निपटने के लिए बीएसएफ ने टेकनपुर में भारत का पहला ड्रोन युद्ध स्कूल खोला

सबका जम्मू कश्मीर

टेकनपुर (मध्य प्रदेश) : ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की सीमाओं पर बदलते खतरों के जवाब में, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने आक्रामक और रक्षात्मक मानव रहित हवाई क्षमताओं का निर्माण करने के लिए मध्य प्रदेश के टेकनपुर में अपने प्रशिक्षण अकादमी में देश का पहला समर्पित ड्रोन युद्ध स्कूल स्थापित किया है।

पिछले महीने स्थापित, 40 अधिकारियों वाले उद्घाटन बैच ने एक सप्ताह के ՙड्रोन ओरिएंटेशन՚ पाठ्यक्रम में भाग लिया, जिसमें सभी बीएसएफ सीमाओं और सहायक प्रशिक्षण केंद्रों (एसटीसी)

■ शेष पेज 2...

सरकार ने नमदा शिल्प को पुनर्जीवित करने के लिए स्थानीय समर्थन मांगा

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : 24 सितंबर को एक स्थानीय उर्दू दैनिक में प्रकाशित एक समाचार लेख के जवाब में, हस्तशिल्प एवं हथकरघा निदेशालय, कश्मीर के एक प्रवक्ता ने दोहराया है कि सरकार लुप्त हो रहे शिल्पों के पुनरुद्धार और संवर्धन के लिए कई ठोस कदम उठा रही है, जिसमें पारंपरिक नमदा शिल्प पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

प्रवक्ता ने बताया कि नमदा को हाल ही में वस्तुओं के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण एवं संरक्षण) अधिनियम, 1999 के तहत भौगोलिक संकेत (जीआई) पंजीकरण प्रदान किया गया है, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है जो शिल्प की प्रामाणिकता की रक्षा करते हुए सस्ते, मशीन–निर्मित विकल्पों के मुकाबले इसकी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को मजबूत करता है। जीआई टैग से इस सदियों पुरानी परंपरा को पुनर्जी. वित करने और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर इसकी बाजार

■ शेष पेज 2...

जावेद राणा ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री चंद्रकांत रघुनाथ पाटिल से मुलाकात की और उन्हें जम्मू–कश्मीर के वर्तमान गंभीर मुद्दों से अवगत कराया।

जावेद राणा ने केंद्रीय मंत्री को जम्मू–कश्मीर में हाल ही में आई बाढ़ के कारण जलापूर्ति और सिंचाई के बुनियादी ढांचे को हुए व्यापक नुकसान और जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत चल रही योजनाओं को पूरा करने के लिए निरंतर वित्तीय सहायता की तत्काल आवश्यकता के बारे में बताया।

बैठक के दौरान, जावेद राणा ने अगस्त और सितंबर 2025 के दौरान जम्मू–कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में आई अभूतपूर्व बाढ़ के बाद स्थिति की गंभीरता से अवगत कराया। उन्होंने मंत्री को बताया कि बाढ़ ने जन जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है, आवश्यक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुँचाया है और जलापूर्ति, सिंचाई और बाढ़ सुरक्षा प्रणालियों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुँचाया है।

मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस क्षति ने जम्मू और कश्मीर

■ शेष पेज 2...

केंद्र को युवाओं की मांगों पर ध्यानपूर्वक विचार करना चाहिए : लेह हिंसा पर करण सिंह

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : वरिष्ठ कांग्रेस नेता कर्ण सिंह ने गुरुवार को लद्दाख के लेह शहर में हुई हिंसा पर चिंता व्यक्त की और केंद्र से आंदोलनकारी युवाओं की संवैधानिक सुरक्षा उपायों सहित उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए उनकी मांगों पर सावधानीपूर्वक विचार करने का आग्रह किया।

अंतिम डोगरा शासक के पुत्र ने लद्दाख के लोगों से शांत रहने और शांतिपूर्वक अपनी मांगों को व्यक्त करने की भी अपील की।

՚सिंह ने यहां एक बयान में कहा, ՙलद्दाख में हाल ही में हुई अशांति से मैं बहुत व्यथित हूं, जिसके परिणामस्वरूप चार लोगों की मौत

■ शेष पेज 2...

बाढ़ प्रभावित बेघर और भूमिहीन परिवारों को सरकार 5 मरला जमीन देगी : सीएम उमर अब्दुल्ला

सबका जम्मू कश्मीर

बिलावर (कठुआ) : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज घोषणा की कि सरकार ने उन सभी बाढ़ प्रभावित परिवारों को पाँच–पाँच मरला ज़मीन देने का फ़ैसला किया है जो बेघर हो गए हैं और भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण अपने घरों के नष्ट होने और ज़मीन विहीन होने का दंश झेल रहे हैं। इस बाढ़ ने उनका सब कुछ छीन लिया है, जिससे वे आवंटित ज़मीन पर अपने घर बना सकें।

मुख्यमंत्री ने यह घोषणा बिलावर के डुग्गैन के निवासियों से बातचीत के दौरान की, जिनके घर और आजीविका हाल ही में आई बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इससे पहले, उन्होंने बानी के विधायक डॉ. रामेश्वर सिंह के साथ ज़िले के

■ शेष पेज 2...

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

अटल टिंकरिंग लैब्स..

के लिए तैयार कौशल से लैस किया जा रहा है

। उपराज्यपाल ने सीमांत क्षेत्र कार्यक्रम के तहत 100 करोड़ रुपये की लागत से जम्मू–कश्मीर के लिए 500 अतिरिक्त अटल टिंकरिंग लैब के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि ये अतिरिक्त लैब दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में अटल टिंकरिंग लैब शुरू करके समावेशी नवाचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी।

उपराज्यपाल ने जम्मू संभाग में अटल टिंकरिंग लैब्स की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि ये लैब क्षेत्र के युवाओं को कृषि, हस्तशिल्प, पर्यटन और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में स्थानीय समस्याओं के प्रभावी समाधान खोजने का व्यापक अवसर प्रदान करेंगी।

उपराज्यपाल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, नवाचार अब केवल उद्योगों तक सीमित नहीं रहा; यह हमारे समाज का एक अभिन्न अंग बन गया है।

उन्होंने जम्मू–कश्मीर के युवाओं, भविष्य के नवप्रवर्तकों, से भारत सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहे सहयोग का लाभ उठाने और अपने सपनों को साकार करने का आग्रह किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि अगले 6 वर्षों के लिए अनुसंधान, विकास और नवाचार के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का ऐतिहासिक कोष ऊर्जा सुरक्षा से लेकर जलवायु कार्रवाई और क्वांटम कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी गहन तकनीकों तक उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में प्रगति को गति दे रहा है।

उन्होंने कश्मीर विश्वविद्यालय से अटल टिंकरिंग लैब के शिक्षकों के लिए कौशल विकास और क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने, उनकी क्षमता को उजागर करने और रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

उपराज्यपाल ने स्थानीय समस्याओं और चुनौतियों के समाधान के लिए अभिनव समाधान प्रदान करने के लिए जम्मू कश्मीर भर से आए अटल टिंकरिंग लैब के छात्रों का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने एटीएल के छात्रों द्वारा अभिनव परियोजनाओं को प्रदर्शित करने वाले स्टालों का भी दौरा किया और युवा नवप्रवर्तकों के साथ बातचीत की

। इस अवसर पर जम्मू कश्मीर के एटीएल छात्रों द्वारा सफल नवाच. ारों का जश्न मनाने वाली कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी हुआ

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह भी इस शुभारंभ समारोह में उपस्थित थे। इस अवसर पर

मुख्य सचिव अटल डुल्लू, नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के मिशन निदेशक डॉ. दीपक बागला, उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शांतमनु, कश्मीर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलोफर खान, स्कूल शिक्षा सचिव राम निवास शर्मा, अटल इनोवेशन मिशन की कार्यक्रम प्रमुख सुश्री दीपाली उपाध्याय, कश्मीर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. नसीर इकबाल, वरिष्ठ अधिकारी, शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख, संकाय सदस्य, शिक्षक और अटल टिंकरिंग लैब्स के छात्र उपस्थित थे।

भारत की गंतव्य...

की गंतव्य 2047 की यात्रा का मशाल वाहक बनने की क्षमता है।

कश्मीर विश्वविद्यालय में नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) के एटीएल सारथी और सीमांत क्षेत्र कार्यक्रम के शुभारंभ पर बोलते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, जैसे–जैसे भारत की अर्थव्यवस्था रैंक 4 से रैंक 3 और आगे बढ़ती है, यह मूल्यवर्धन अब तक अन्वेषित क्षेत्रों और अब तक अन्वेषित संसाधनों से आएगा, और जम्मू और कश्मीर दोनों मामलों में योग्य है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिस पर 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता संभालने के बाद ही ध्यान दिया जाने लगा तथा इस सरकार द्वारा शुरू किए गए अरोमा मिशन आदि जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से हिमालय और नदियों के विशाल संसाधनों को भी इसमें शामिल किया गया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में अगले दो दशकों में भारत की नवाचार–आधारित विकास कहानी में अग्रणी योगदानकर्ता के रूप में उभरने की क्षमता है। श्रीनगर में एटीएल सारथी पहल के शुभारंभ पर बधाई देते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह अवसर ष्दोहरे उत्सवष् का प्रतीक है – कश्मीर विश्वविद्यालय के लिए भारत की विकास यात्रा में जम्मू–कश्मीर को मुख्यधारा के खिलाड़ी के रूप में शामिल करने का एक साधन बनना और एआईएम द्वारा अपने नवाच. ार नेटवर्क को इस परिधीय केंद्र शासित प्रदेश तक विस्तारित करना।

मंत्री ने घोषणा की कि सीमांत क्षेत्र कार्यक्रम के तहत, जम्मू–कश्मीर में 100 करोड़ रुपये के निवेश से 500 नई अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल) स्थापित की जाएंगी, जो सीमांत क्षेत्रों के लिए स्वीकृत 2,500 प्रयोगशालाओं का सबसे बड़ा हिस्सा होगा। उन्होंने कहा कि ये प्रयोगशालाएं स्कूली छात्रों को रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अत्याधुनिक उपकरणों से परिचित कराएंगी, जिससे वे कम उम्र में ही नवाचार कर सकेंगे।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बात पर ज़ोर दिया कि पिछले एक दशक में भारत की आर्थिक वृद्धि को अंतरिक्ष, जैव प्रौद्योगिकी, महासागरों और हिमालय सहित प्रौद्योगिकी–संचालित क्षेत्रों ने गति दी है, जो आने वाले वर्षों में भी मूल्यवर्धन को गति देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था ष्लगभग शून्यष् से तेज़ी से बढ़कर 8 अरब डॉलर हो गई है और एक दशक के भीतर इसके 40–45 अरब डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है, इस क्षेत्र में 400 से ज़्यादा स्टार्टअप पहले से ही सक्रिय हैं।

वैश्विक मानकों और सार्वजनिक–निजी सहयोग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री महोदय ने कहा, ष्जब तक हम निजी क्षेत्र की कंपनियों को शामिल करने का कोई तरीका नहीं बनाते, हम विकास को बनाए नहीं रख सकते। अंतरिक्ष अनुसंधान में इनस्पेस और जैव प्रौद्योगिकी में बीआईआरएसी जैसी पहलों ने दिखाया है कि संरचित सहयोग कैसे सफल हो सकता है।ष

मंत्री ने "अरोमा मिशन" और पुष्प–कृषि जैसे क्षेत्रों में जम्मू–कश्मीर की उभरती भूमिका की ओर इशारा किया, जिसने पहले ही हजारों लैवेंडर और फूल–आधारित स्टार्टअप को जन्म दिया है। "आज, इस क्षेत्र में लगभग 3,500 लैवेंडर स्टार्टअप फल–फूल रहे हैं। युवा लोग कॉर्पोरेट नौकरियों को छोड़कर इन क्षेत्रों में उद्यमिता अपना रहे हैं," उन्होंने कहा और कहा कि ऐसे उद्यम सरकारी नौकरियों से परे अवसरों को फिर से परिभाषित कर रहे हैं।

नवाचार पाइपलाइन पर, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि जम्मू–कश्मीर के 50 छात्र राष्ट्रव्यापी स्कूल इनोवेशन मैराथन में शीर्ष 1,000 में शामिल हुए, जो क्षेत्र की बढ़ती प्रतिभा को दर्शाता है। उन्होंने छात्रों और अभिभावकों से यह मिथक त्यागने का भी आग्रह किया कि स्टार्टअप केवल महानगरों में ही सफल हो सकते हैं, और इस बात पर ज़ोर दिया कि आज भारत के लगभग आधे स्टार्टअप टियर 2 और टियर 3 शहरों से आते हैं।

ष्जैसा कि हम 2047 के भारत की बात कर रहे हैं, इन टिंकरिंग लैब्स के छात्र अपने सर्वश्रेष्ठ कार्यकाल में होंगे। वे एक विकसित भारत के पथप्रदर्शक होंगे, और उनके माध्यम से, जम्मू–कश्मीर पहले से ही राष्ट्रीय यात्रा का पथप्रदर्शक होगा,ष डॉ. जितेंद्र सिंह ने अपने समापन भाषण में कहा।

इस शुभारंभ समारोह में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, शिक्षा मंत्री सकीना मसूद, विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलोफर खान और एआईएम मिशन निदेशक डॉ. दीपक बागला भी शामिल हुए।

जावेद राणा ने...

दोनों संभागों में सुरक्षित पेयजल और सिंचाई तक पहुँच को गहराई से प्रभावित किया है, जिससे जन स्वास्थ्य, कृषि और ग्रामीण समुदायों के समग्र कल्याण के लिए तत्काल चुनौतियाँ पैदा हुई हैं।

जल शक्ति मंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि जम्मू–कश्मीर जल शक्ति विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सेवाओं को बहाल करने के लिए त्वरित आपातकालीन उपाय किए हैं।

जावेद राणा ने जल शक्ति मंत्रालय से पूर्ण पैमाने पर बहाली का समर्थन करने और दीर्घकालिक लचीलापन–निर्माण उपायों में निवेश करने के लिए एक विशेष वित्तीय पैकेज का अनुरोध किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि ऐसा समर्थन न केवल सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए, बल्कि ऐसे बुनियादी ढाँचे के निर्माण के लिए भी महत्वपूर्ण है जो क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम की घटनाओं के बढ़ते प्रभावों का बेहतर ढंग से सामना कर सके।

बाढ़ संबंधी चिंताओं के अलावा, मंत्री ने जल जीवन मिशन के तहत महत्वपूर्ण वित्त पोषण अंतराल का मुद्दा भी उठाया, जिसका उद्देश्य जम्मू–कश्मीर के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि जहाँ बड़ी संख्या में योजनाओं ने पर्याप्त प्रगति की है, जिनमें से कई पूरी होने वाली हैं, वहीं केंद्रीय सहायता में कमी और धनराशि जारी करने में देरी ने मार्च 2025 तक पूर्ण संतृप्ति की महत्वाकांक्षी समय–सीमा को पूरा करने में गंभीर बाधाएँ उत्पन्न की हैं।

मंत्री ने बताया कि जम्मू–कश्मीर में लगातार प्रगति और जल जीवन मिशन योजनाओं के कुशल कार्यान्वयन के बावजूद, जिसमें बड़ी संख्या में परियोजनाओं का सफलतापूर्वक पूरा होना भी शामिल है, यह समस्या गंभीर बनी हुई है।

राणा ने बकाया भुगतानों को पूरा करने और कार्यान्वयन की गति बनाए रखने के लिए तत्काल अतिरिक्त धनराशि जारी करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री से व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने और केंद्रीय धनराशि समय पर जारी करने तथा अतिरिक्त वित्तीय सहायता स्वीकृत करने में सहायता करने का आग्रह किया, ताकि जम्मू–कश्मीर में जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन में अनावश्यक देरी न हो।

प्राप्त समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए, जावेद राणा ने सीआर पाटिल को उनकी धैर्यपूर्वक सुनवाई, आश्वासन और उठाए गए मुद्दों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद दिया।

उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में जम्मू–कश्मीर सरकार की ष्हर घर जलष् के लक्ष्य और हर नागरिक के लिए सुरक्षित पेयजल के अधिकार को सुनिश्चित करने वाले मज़बूत, जलवायु–अनुकूल जल–संरचना के निर्माण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई।

केंद्रीय मंत्री ने जावेद राणा को भारत सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और संकट के इस समय में जम्मू–कश्मीर के लोगों की सहायता के लिए तत्काल और निरंतर हस्तक्षेप की आवश्यकता को स्वीकार किया।

केंद्र को युवाओं...

हो गई और दर्जनों घायल हो गए। 1947 से ही लद्दाख के लोग पूरी तरह से भारत समर्थक रहे हैं और आवश्यकता पड़ने पर हमेशा सुरक्षा बलों की मदद की है।ष

उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि लद्दाख के युवा इस बात से बहुत नाराज हैं कि उनके रोजगार के अवसर गायब होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा,

ष्एक बात यह है कि अब उनके पास लोक सेवा आयोग नहीं है, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें अखिल भारतीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है। संविधान की छठी अनुसूची जैसी किसी चीज़ में शामिल करना एक उचित समाधान प्रतीत होता है।ष

सिंह ने अधिकारियों से युवाओं की मांगों पर ध्यानपूर्वक विचार करने और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों सहित ठोस उपाय करने की अपील की।

घ्ष्उन्होंने कहा, ष्आंदोलन को बढ़ने से रोकने के लिए यह बेहद ज़रूरी है, क्योंकि आगे चलकर इसके सुरक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेंगे। मैं लोगों से भी अपील करता हूँ कि वे शांत रहें और शांतिपूर्वक अपनी माँगें रखें।ष

ऑपरेशन सिंदूर के...

से कमांडेंट और सेकेंड–इन–कमांड स्तर के अधिकारी शामिल थे। वर्तमान में, 47 कर्मियों का एक दूसरा समूह गहन छह–सप्ताह के ष्ड्रोन कमांडो कोर्सष् में नामांकित है, जिसमें अधीनस्थ अधिकारी, सहायक उप–निरीक्षक और कांस्टेबल रैंक के प्रशिक्षु शामिल हैं।

ड्रोन पायलटिंग, रणनीति, अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) और बढ़ती ड्रोन–सक्षम तस्करी और धमकी रणनीति

अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) और बीएसएफ अकादमी, टेकनपुर के निदेशक शमशेर सिंह ने कहा कि बल पिछले चार–पांच वर्षों से सीमा पर ड्रोन–सक्षम नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी का सामना कर रहा है और ऑपरेशन सिंदूर के बाद इन चुनौतियों ने नए रूप ले लिए हैं।

बाढ़ प्रभावित बेघर...

बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया।

लोगों को हर संभव सहायता का आश्वासन देते हुए, उमर अब्दुल्ला ने प्रशासन को समय पर राहत और पुनर्वास उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, ष्वर्ष 2025 जम्मू–कश्मीर में भारी तबाही लेकर आया हैकृमार्च–अप्रैल में सूखे से लेकर अगस्त–सितंबर में लगातार बारिश, अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन तक।ष कठुआ से कुपवाड़ा तक, नुकसान अभूतपूर्व है।"

मुख्यमंत्री ने विनाश के पैमाने पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मूसलाधार बारिश ने 350 से ज़्यादा पुलों, लगभग 2,000 किलोमीटर लंबे सड़क नेटवर्क, हज़ारों हेक्टेयर कृषि भूमि को नुकसान पहुँचाया है, इसके अलावा खड़ी फसलें बह गईं और सरकारी व निजी, दोनों तरह की इमारतों को नुकसान पहुँचा है। उन्होंने आगे कहा, "पुनर्स्थापन चुनौतियों की विशालता को देखते हुए, जम्मू–कश्मीर केंद्र सरकार से एक व्यापक राहत और पुनर्वास पैकेज की उम्मीद कर रहा है।"

प्रत्यक्ष आकलन के महत्व पर ज़ोर देते हुए, उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कठुआ के दूरदराज और अलग–थलग इलाकों का उनका दौरा ज़मीनी हक़ीक़त को समझने के लिए था। उन्होंने जम्मू–कश्मीर के प्रवेश बिंदु हीरानगर और लखनपुर में हुए नुकसान का हवाई सर्वेक्षण भी किया।

सरकार ने नमदा...

दृश्यता बढ़ाने में उत्प्रेरक का काम करने की उम्मीद है।

इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए, निदेशालय ने विभाग की प्रमुख कारखानादार योजना का लाभ उठाने के लिए कुशल कारीगरों को प्रोत्साहित करके अपनी पहुँच बढ़ा दी है, जिसका उद्देश्य क्षमता निर्माण, कौशल विकास और युवा पीढ़ी को ज्ञान हस्तांतरण है। जिला कार्यालयों को भी योजना के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन को मजबूत करने के लिए पास–आउट प्रशिक्षुओं को सक्रिय रूप से शामिल करने का निर्देश दिया गया है। वर्तमान में, विभाग नमदा के लिए नौ प्राथमिक और दो उन्नत प्रशिक्षण केंद्र चला रहा है, जो कौशल विकास और ज्ञान हस्तांतरण के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार कर रहा है।

शिल्प के पुनरुद्धार के लिए अपने प्रयासों को दोगुना करते हुए, ब।च्म् बजट 2025–26 के तहत, न्छक्च् सुविधा में कार्डिंग मशीन की मरम्मत और जीर्णोद्धार के लिए घ्26.50 लाख की राशि निर्धारित की गई है, एक ऐसा कदम जो गुणवत्ता वाले कच्चे माल की निर्बाध उपलब्धता की

डीएलएसए राजौरी द्वारा श्रम कानूनों एवं अधिकारों पर जागरूकता शिविर

सबका जम्मू कश्मीर

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजौरी की ओर से इसके अध्यक्ष राजिंदर सपरु के निर्देशन तथा सचिव शमा शर्मा उपन्यायाधीश के मार्गदर्शन में नेशनल पब्लिक स्कूल राजौरी में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सहायक श्रम आयुक्त राजौरी के सहयोग से संपन्न हुआ।

इस अवसर पर प्रद्योत गुप्ता सहायक श्रम आयुक्त राजौरी विधिक सहायता रक्षा वकील पैरा लीगल वालंटियर विद्यालय के छात्रदृछात्राएँ तथा अध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्रम कानूनों और नये श्रम सं. हताओं और कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न और रोजगार का अधिकार तथा भेदभाव–निवारण कानूनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को सुरक्षित कार्य वातावरण समान अवसर और आंतरिक शिकायत समितियों की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया। विद्यालय के छात्रों ने गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए और निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ जिससे छात्रों में रचनात्मकता और कानूनी जागरूकता को बढ़ावा मिला।

इस अवसर पर सहायक श्रम आयुक्त प्रद्योत गुप्ता ने श्रम विभाग की प्रगति और उपलब्धियों से अवगत कराते हुए जम्मू कश्मीर भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने 100 पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा सहायता मद में कुल 8 लाख 46 हज़ार 800 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की और श्रमिक पहचान पत्र भी वितरित किए।

जम्मू-कश्मीर की अदालत ने रिश्वतखोरी के मामले में 2 इंजीनियरों को दोषी ठहराया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भ्रष्टाचार निरोधक अदालत (एसीबी) ने गुरुवार को जम्मू–कश्मीर के डोडा जिले में 45,000 रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के मामले में दो पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों को दोषी ठहराया।

डोडा शहर में स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में 45,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए जूनियर इंजीनियर राजा फैसल को गिरफ्तार किया था।

जांच में सहायक कार्यकारी अभियंता सैयद की संलिप्तता का भी पता चला इखलाक एसीबी प्रवक्ता हुसैन पीर ने कहा।

न्यायाधीश अर्चना चरक की खंडपीठ ने दोनों इंजीनियरों को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और आईपीसी की धारा 120बी (आपरा. धिक षड्यंत्र) तथा पीसी अधि. नियम द्वारा निरस्त आईपीसी धारा 161 (लोक सेवक के लिए दंड) के तहत दोषी ठहराया।

अदालत ने प्रत्येक आरोपी को धारा 120बी आरपीसी के तहत एक वर्ष के कठोर कारावास और 10,000 रुपये के जुर्माने, धारा 161 आरपीसी के तहत एक वर्ष के कठोर कारावास और 10,000 रुपये के जुर्माने तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एक वर्ष के कठोर कारावास और 10,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई।

यह मामला एक ठेकेदार की शिकायत पर दर्ज किया गया था, जिसने डोडा–गनेका सड़क पर तारकोल बिछाने का काम पूरा किया था।

एसीबी प्रवक्ता ने बताया कि 75 प्रतिशत भुगतान जारी कर दिया गया है, लेकिन आरोपी अधिका. रियों ने शेष राशि जारी करने के लिए 45,000 रुपये की अवैध रिश्वत की मांग की, जिससे शिकायतकर्ता को परेशान किया गया।

डोडा शहर में जाल बिछाया गया , जिसके दौरान फैजल को स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में 45,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

जांच पूरी होने के बाद अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया, जिसमें दोनों पर मुकदमा चलाया गया और सजा सुनाई गई।

केंद्र पर दोष मढ़ने के बजाय जमीनी स्तर पर कुशलता से काम करें : भाजपा, उमर अब्दुल्ला

सबका जम्मू कश्मीर

नेशनल कॉन्फ्रेंस और उसके नेता उमर अब्दुल्ला एक बार फिर अपनी सबसे पुरानी राजनीतिक चाल चल रहे हैंकृअपनी नाकामियों को छिपाने के लिए नई दिल्ली पर दोष मढ़ना। यह ष्केंद्र की चालष वाला विमर्श 1947 से ही नेशनल कॉन्फ्रेंस की ढाल रहा है, और जब भी उनके कुशासन का पर्दाफ़ाश होता है, जनता के आक्रोश को भटकाने का एक ज़रिया बन जाता है। आज वही घिसा–पिटा नाटक फिर से दो. हराया जा रहा है। यह बात पूर्व एमएलसी और भाजपा जम्मू–कश्मीर–यूटी के प्रवक्ता गिरधारी लाल रैना ने आज जम्मू में कही।

भाजपा जम्मू–कश्मीर–यूटी प्रवक्ता एडवोकेट पूर्णिमा शर्मा के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबो. धित करते हुए, उन्होंने कहा कि जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग संकट इसका जीता जागता उदाहरण है। फल उत्पादकों और ट्रक चालकों को करोड़ों का नुकसान हुआ और आम नागरिक मुसीबत में फँसे रहे, जबकि उमर अब्दुल्ला की सरकार पंगु बनी रही। मुख्यमंत्री या उनके सहयोगियों ने ज़मीनी हक़ीक़त समझने के लिए संवेदनशील इलाकों का दौरा करने की ज़हमत नहीं उठाई। जब उनसे सवाल किया गया, तो मुख्यमंत्री ने पहले तो दावा किया कि उनके पास कोई अधिकार नहीं हैकृफिर भी वे बिना किसी शर्म या जवाबदेही के सत्ता से चिपके हुए हैं। और जब गुस्सा बढ़ा, तो उन्होंने दोष दिल्ली पर मढ़ने की कोशिश की, इस उम्मीद में कि लोग एक बार फिर गुमराह हो जाएँगे, जीएल रैना ने आगे कहा।

जीएल रैना ने ज़ोर देकर कहा कि जम्मू–कश्मीर के लोग अंधे नहीं हैं और उन्हें बार–बार गुमराह नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि लोग एनएचएआई के उन प्रयासों की सराहना करते हैं जिन्होंने तमाम मुश्किलों के बावजूद राजमार्ग को चालू रखा। उन्होंने अपनी आँखों से देखा है कि कैसे केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी के मार्गदर्शन में एनएचएआई की टीमों ने प्रतिकूल मौसम और मुश्किल परिस्थितियों में भी चौबीसों घंटे अथक परिश्रम किया। एक दर्जन से ज़्यादा एक्सकेवेटर और 50 अर्थमूवर मशीनों को काम पर लगाया गया, दो लेन का डायवर्जन बनाया गया और यातायात बहाल किया गया। यह असली कार्रवाई है, खोखली बयानबाजी नहीं।

इसके विपरीत, उमर अब्दुल्ला ने खुद को सोशल मीडिया पर बयानों और खोखली राजनी. तिक बयानबाज़ी तक ही सीमित रखा। उनमें प्रभावित इलाकों का दौरा करने की भी हिम्मत नहीं थी, जहाँ लोग आज भी परेशान हैं। उनका यह दावा कि ष्अगर हाईवे उनके अधीन होता, तो वे उसे खोल देतेष, उनके पाखंड को ही उजागर करता है। उन्होंने पूछा, ष्नागरिक सही पूछ रहे हैंरू अगर आप अपनी केंद्र शासित प्रदेश सरकार के अधीन सड़कों पर कीचड़ और मलबा भी नहीं हटा सकते, तो आप कैसे दावा कर सकते हैं कि आप एक राष्ट्रीय राजमार्ग को बहाल कर देंगे? मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए जीएल रैना ने आगे कहा कि एक तरफ आप कहते हैं कि आपके पास कोई अधिकार नहीं है, कोई धन नहीं है, कोई शक्ति नहीं है और दूसरी तरफ आप पेरिस की शानदार आनंद यात्राओं के लिए पर्याप्त शक्ति, अधिकार और संसाधन का प्रदर्शन करते हैं।

वैष्णो देवी संक्षिप्त विराम के बाद यात्रा पुनः शुरू, पंजीकरण आँकड़े

सबका जम्मू कश्मीर

कटरा /जम्मू : माता वैष्णोदेवी गुफा मंदिर की तीर्थयात्रा के लिए पंजीकरण गुरुवार सुबह फिर से शुरू हो गया, जब अधिकारियों ने यात्रा को आगे बढ़ाने का फैसला किया, जिसे खराब मौसम के कारण कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया गया था।

रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित तीर्थयात्रा बुधवार को फिर से शुरू हो गई।

हालांकि, खराब मौसम के कारण बुधवार शाम को इसे रोक दिया गया। मौसम में सुधार होने के बाद आज सुबह यात्रा पुनः शुरू हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि यात्रा सुचारू रूप से चल रही है।

श्राइन बोर्ड ने घोषणा की है कि हेली सेवा का उपयोग करने के इच्छुक तीर्थयात्रियों को हेलीकॉप्टर के लिए टिकट बुक करने के लिए कहा गया है। माता वैष्णोदेवी मंदिर के मुख्य शिविर कटरा में उमड़े श्रद्धालुओं ने कहा कि वे यात्रा के पुनः शुरू होने से खुश हैं ।

ने कहा, ष्हमें खुशी है कि लंबे समय के बाद यात्रा शुरू हो गई है। हम माता के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करना चाहते थे, लेकिन यहाँ की परिस्थितियाँ हमें दो सप्ताह से ज़्यादा समय तक यात्रा स्थगित रहने के कारण रोके रहीं।

अब जब पंजीकरण फिर से शुरू हो गया है, तो हमें माता के दर्शन करने और आशीर्वाद प्राप्त करने का पूरा विश्वास है । असम से आये तीर्थयात्री डेका ने कहा।

सात सदस्यीय समूह के साथ तीर्थयात्रा पर आए डेका ने कहा, ष्हम माता से प्रार्थना करते हैं कि वे अपने सभी भक्तों के लिए यात्रा को सुरक्षित और सुचारू बनाए रखें।ष

उनकी ही तरह, उत्तराखंड की सावित्री देवी , जो अपने 11 सदस्यों के साथ कटरा पहुँची हैं , ने कहा, ष्माता का हम सभी को यहाँ आने का आह्वान था। वर्षों से हम यहाँ पूजा करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं कर पाए। देखिए, जब भारी बारिश के कारण स्थिति खराब होती है, तो हम यहाँ होते हैं – यह उनका निर्देश है।ष

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) ने बुधवार सुबह से अनुकूल मौसम की स्थिति के अधीन यात्रा को फिर से खोलने की घोषणा की , जिससे कटरा शहर में डेरा डाले सैकड़ों श्रद्धालुओं को राहत मिली है – जो मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों का आधार शिविर है। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि यह राहत ज्यादा देर तक नहीं रही, क्योंकि दिन में 2,500 तीर्थयात्रियों को अनुमति देने के बाद बुधवार शाम को खराब मौसम के कारण तीर्थयात्रा को एक बार फिर स्थगित कर दिया गया।

भाजपा के सभी प्रकोष्ठों ने प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर जीएसटी में छूट और सेवा पखवाड़ा पहल पर प्रकाश डाला

सबका जम्मू कश्मीर

वेद शर्मा के नेतृत्व में भाजपा के सभी प्रकोष्ठों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सतवारी में एक कार्यक्रम आयोजित किया और 22 सितंबर, 2025 से शुरू होने वाली जीएसटी छूट और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रमुख सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाई। इस अवसर पर ज़रूरतमंद लोगों को राशन भी वितरित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देने के साथ हुई, जिसके बाद आम नागरिकों और व्यापारिक समुदाय के लाभ के लिए सरकारी सुधारों पर चर्चा हुई।

जम्मू–कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए आम लोगों के हित में वर्तमान जीएसटी सुधारों के लाभों पर बात की। उन्होंने सेवा पखवाड़ा के दौरान संगठनात्मक नेटवर्क को मज़बूत करने और समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस तरह की पहल प्रधानमंत्री मोदी के समावेशी विकास और राष्ट्र निर्माण के दृष्टिकोण के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। महासचिव संजीता डोगरा ने प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए ष्बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओष कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से इस अभियान को घर–घर तक पहुँचाने का आग्रह किया और यह सुनिश्चित किया कि सामाजिक विकास में बालिकाओं की शिक्षा और सश. क्तिकरण सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहे।

वेद शर्मा ने जीएसटी में छूट के सरकार के हालिया फैसले की सराहना करते हुए इसे ष्व्यापार को आसान बनाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रगतिशील कदमष बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम कारोबारी समुदाय पर वित्तीय बोझ कम करने और व्यापार के लिए अधिक अनुकूल माहौल बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शर्मा ने ज़ोर देकर कहा कि इस छूट से विशेष रूप से छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और नवोदित उद्यमियों को लाभ होगा, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने आगे कहा कि कर अनुपालन को सरल बनाकर और व्यवसायों को राहत प्रदान करके, यह सुधार निवेश को प्रोत्साहित करेगा, रोज़गार पैदा करेगा और व्यापार एवं उद्योग से जुड़े लोगों का विश्वास बढ़ाएगा। पूर्व पार्षद पवन सिंह ने विकासात्मक गतिविधियों में निरंतर सहयोग और भागीदारी के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

स्वच्छता एक सामूहिक कर्तव्य है : एडवोकेट नेहा महाजन

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में केंद्र शासित प्रदेश में मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा, जम्मू-कश्मीर ने जम्मू के डोगरा चौक पर महान डोगरा नेता पंडित प्रेम नाथ डोगरा जी की प्रतिमा पर स्वच्छता अभियान का आयोजन किया।

स्वच्छता अभियान का नेतृत्व भाजपा महिला मोर्चा जम्मू-कश्मीर की अध्यक्ष एडवोकेट नेहा महाजन ने किया, जिन्होंने महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं की पूरी टीम के साथ इस पहल में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता बनाए रखने और सार्वजनिक स्थानों के सम्मान को सुनिश्चित करने की सामूहिक ज़िम्मेदारी पर ज़ोर देकर स्वच्छ भारत के दृष्टिकोण को बढ़ावा देना था।

पूर्व पार्षद नीना गुप्ता, प्रेरणा नंदा, अनीता गंडोत्रा, संतोष गुप्ता, पूनम गुप्ता, उषा राजपूत, नीरू आनंद, गीतांजलि महाजन, अनु भसीन, सुमन रैना, पूजा सालगोत्रा, चक्षु कपूर, आशा शर्मा और अन्य भी मौजूद थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, एडवोकेट नेहा महाजन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्वच्छता केवल स्वच्छता का विषय नहीं है, बल्कि नागरिक दायित्व और राष्ट्रीय गौरव की अभिव्यक्ति है।

उन्होंने कहा कि अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखना एक सामूहिक कर्तव्य है जो समाज और राष्ट्र के प्रति हमारे सम्मान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, भाजपा महिला मोर्चा स्वच्छ और स्वस्थ भारत के स्वप्न को साकार करने में योगदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस नेक कार्य में अपना सहयोग दिया। महिला मोर्चा की टीम ने लोगों से स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन में एक नियमित अभ्यास बनाने और स्वच्छ भारत अभियान के मिशन को पूरा करने में हाथ बँटाने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर के बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है : जसरोटिया

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया ने जसरोटा विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों, प्लाह मोड, पुंजावारी, भेड़ ब्लोड, कदयार और घट्टी गाँवों का दौरा करके अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। विधायक ने प्रभावित परिवारों को राशन वितरित किया और उनकी शिकायतें सुनीं, तथा उन्हें आवश्यक सहायता और राहत प्रदान की। विधायक जसरोटिया के साथ आने वालों में जिला उपायुक्त बरनोटी सुषमा देवी, सरपंच भोली सिंह, नसीब सिंह, नायब सरपंच जोगिंदर, कैप्टन जगदीश, कैप्टन ओंकार सिंह, प्रेम सिंह, विद्या सागर जिला उपाध्यक्ष, अनिल सिंह जिला उपाध्यक्ष, कुलबीर सिंह, माणिक गुप्ता शामिल थे।

विधायक का यह दौरा जसरोटा विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित परिवारों की सहायता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राशन वितरण और शिकायतें सुनना, प्रभावित परिवारों को राहत पहुँचाने के विधायक के प्रयासों का हिस्सा है। जसरोटा निर्वाचन क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का विधायक का दौरा उनके निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के कल्याण के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण है। प्रभावित परिवारों ़ को राहत और सहायता प्रदान करने के उनके प्रयास सराहनीय हैं और जसरोटा के लोगों की सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। स्थिति का जायजा लेने के अलावा, इस दौरे का उद्देश्य प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करना और पीड़ितों तक तत्काल राहत और दीर्घकालिक सहायता पहुँचाना सुनिश्चित करना था।

इस अवसर पर बोलते हुए जसरोटिया ने कहा कि संकट की इस घड़ी में, पहले दिन से ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से बात की है और भारत सरकार ने बचाव कार्यों में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश और सभी एजेंसियों ने मिलकर संभावित नुकसान को काफी कम किया है और समन्वित प्रयासों से हमने कई लोगों की जान सफलतापूर्वक बचाई है।

उन्होंने दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर के लोगों ़ के साथ मजबूती से खड़ी है और प्रभावित समुदायों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करते हुए, पुनर्निर्माण और पुनर्वास को सुगम बनाने के लिए त्वरित राहत, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता प्रदान कर रही है।

जसरोटिया ने आश्वासन दिया कि प्रधानमंत्री मोदी सरकार न केवल क्षतिग्रस्त बुनियादी ढाँचे को बहाल करने, बल्कि प्रभावित परिवारों के पूर्ण पुनर्वास के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि केंद्र, जम्मू-कश्मीर प्रशासन के साथ समन्वय में, हाल की प्राकृतिक आपदाओं ़ के कारण सड़क, बिजली, जल आपूर्ति, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे आवश्यक बुनियादी ढाँचे को हुए नुकसान का आकलन कर रहा है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढाँचे की पूर्ण बहाली में कुछ समय लगेगा, लेकिन प्रशासन प्रभावित लोगों को तत्काल राहत प्रदान करने पर केंद्रित है। उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए शीघ्र राहत, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराएगी तथा पीड़ितों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करेगी।

जम्मू-सांबा क्षेत्र में अपराधी और वांछित ड्रग तस्कर हिरासत में

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू, 18 सितंबर (भाषा) दो अलग-अलग घटनाओं में, सांबा और जम्मू जिलों में पुलिस ने आपराधिक और मादक पदार्थ संबंधी मामलों में लगातार संलिप्त रहने के आरोप में एक अपराधी और एक मादक पदार्थ तस्कर को हिरासत में लिया।

अधिकारियों ने बताया कि पहली घटना में, चोरी, झपटमारी, हमला और गिरोह से संबंधित अपराधों में लंबे समय से शामिल सांबा जिले के अपराधी एलेक्स मट्टू पर सार्वजनिक सुरक्षा अधि. नियम (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया गया और उसे पुंछ की जिला जेल में बंद कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने सहायक दस्तावेजों के साथ एक विस्तृत डोजियर सांबा के जिला मजिस्ट्रेट को सौंपा, जिन्होंने औपचारिक नजरबंदी आदेश जारी किया।

तदनुसार, सांबा के जिला मजिस्ट्रेट से औपचारिक नजरबंदी आदेश प्राप्त करने के बाद मट्टू को पुंछ की जिला जेल में रखा गया है ।

पुलिस ने बताया कि उसके खिलाफ सांबा और जम्मू जिलों के चार अलग-अलग पुलिस थानों में कई मामले दर्ज हैं।

दूसरी घटना में चिराग जम्मू जिले के आदतन और कुख्यात ड्रग तस्कर अत्री पर पुलिस ने नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ अधिनियम (पीआईटीएनडीपीएस अधिनियम) में अवैध तस्करी की रोकथाम के तहत मामला दर्ज किया था।

उन्होंने बताया कि जम्मू के संभागीय आयुक्त द्वारा जारी हिरासत आदेश के बाद उन्हें उधमपुर जिला जेल में रखा गया था।

अत्री के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत कई मामले दर्ज किए गए थे , जो क्षेत्र के स्थानीय युवाओं को ड्रग्स की आपूर्ति करके नशीली दवाओं की तस्करी और व्यापार को बढ़ावा देने में शामिल था।

कटरा-बडगाम, कटरा-बनिहाल के बीच 2 ट्रेनें पखवाड़े भर चलने वाली सेवा शुरू करती हैं

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के बंद होने के कारण यातायात में आई बाधा के बाद जनता के लिए सुरक्षित और कुशल यात्रा सुनिश्चित करने के विकल्प के रूप में उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक के कटरा-बनिहाल और कटरा-बडगाम खंडों के बीच दो सप्ताह की सेवा शुरू की गई।

अधिकारियों ने बताया कि अगले 15 दिनों तक बडगाम से कटरा तक एक विशेष वास्तोदोम ट्रेन संचालित की गई, जबकि एक अन्य ट्रेन कटरा रेलवे स्टेशन और बनिहाल स्टेशन के बीच यात्रियों को ले गई और यह अगले एक पखवाड़े तक जारी रहेगी।

उन्होंने बताया कि दोनों रेलगाड़ियां अपने-अपने गंतव्यों के लिए चलीं और यात्रियों को उत्साह और खुशी के साथ ले गईं।

इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में इस ट्रैक पर तीन बाढ़ राहत ट्रेनें चल रही हैं।

8 सितंबर को, उत्तर रेलवे ने उधमपुर जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद होने के कारण फंसे यात्रियों की सुविधा के लिए कटरा और संगलदान के बीच एक विशेष स्थानीय ट्रेन सेवा शुरू की।

अधिकारियों ने बताया कि विशेष रेलगाड़ियां चलाने का निर्णय मंडल रेल प्रबंधक विवेक कुमार के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक उचित सिंघल तथा वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक अरीश बंसल के सहयोग से लिया गया। उन्होंने बताया कि ट्रेन सुबह 11 बजे बनिहाल से रवाना हुई और दोपहर 1.30 बजे कटरा पहुँची।

रास्ते में यह रियासी, बक्कल, दुग्गा, सावलकोट, संगलदान, सुम्बर और खारी स्टेशनों पर रुकी। इसी तरह, ट्रेन शाम 4.10 बजे बनिहाल लौटी।

इन विशेष ट्रेनों के संचालन पर बोलते हुए, बंसल ने कहा, "इस मंडल में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बनिहाल और कटरा क्षेत्रों में सड़क सेवाएं निलंबित होने के कारण, ये विशेष ट्रेनें जनता के लिए सुरक्षित और कुशल यात्रा सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प प्रदान करेंगी। यह कदम भारी बारिश और जलभराव के कारण उत्तर रेलवे के जम्मू संभाग में सड़क यातायात बाधित होने के मद्देनजर उठाया गया है।

उन्होंने कहा, "डिवीजन ने पहले कटरा और संगलदान के बीच यात्रियों के लिए एक विशेष ट्रेन चलाई थी।

जम्मू-कश्मीर के लिए नवीन और व्यावहारिक सौर ऊर्जा समाधानों की खोज : सतीश शर्मा

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : सरकार की नवीकरणीय ऊर्जा पहलों को गति देने के उद्देश्य से, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, सूचना प्रौद्योगिकी, परिवहन, युवा सेवाएँ एवं खेल मंत्री, सतीश शर्मा ने आज बेमिना स्थित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एस एंड टी) विभाग के शतवानाई घरश का औचक दौरा किया और उसके कामकाज का जायजा लिया। इस दौरे के दौरान, मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को ऐसे नवीन और व्यावहारिक सौर ऊर्जा समाधानों की खोज करने का निर्देश दिया जिन्हें पूरे जम्मू-कश्मीर में लागू किया जा सके। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री द्वारा परिकल्पित मिशन सौर ऊर्जा के लिए नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने हेतु सभी हितधारकों के समर्पित प्रयासों की आवश्यकता है।

सतीश शर्मा ने कहा, सरकार नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाने में जम्मू-कश्मीर को एक आदर्श राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यहाँ सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएँ हैं और इसका वैज्ञानिक और परिणामोन्मुखी तरीके से दोहन करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने विभाग को सरकारी भवनों, सार्वजनिक संस्थानों और सार्वजनिक उपयोगिताओं में सौर ऊर्जा प्रतिष्ठानों के विस्तार, प्रोत्साहनों के माध्यम से घरेलू स्तर पर सौर ऊर्जा को अपनाने को बढ़ावा देने और लागत-प्रभावी समाधानों के नवाचार हेतु अनुसंधान संस्थानों और निजी हितधारकों के साथ सहयोग करने पर केंद्रित विस्तृत प्रस्ताव और कार्यान्वयन रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए।

दिल्ली दंगे : झूठे गवाह, मनगढ़ंत सबूत

संजय पराते

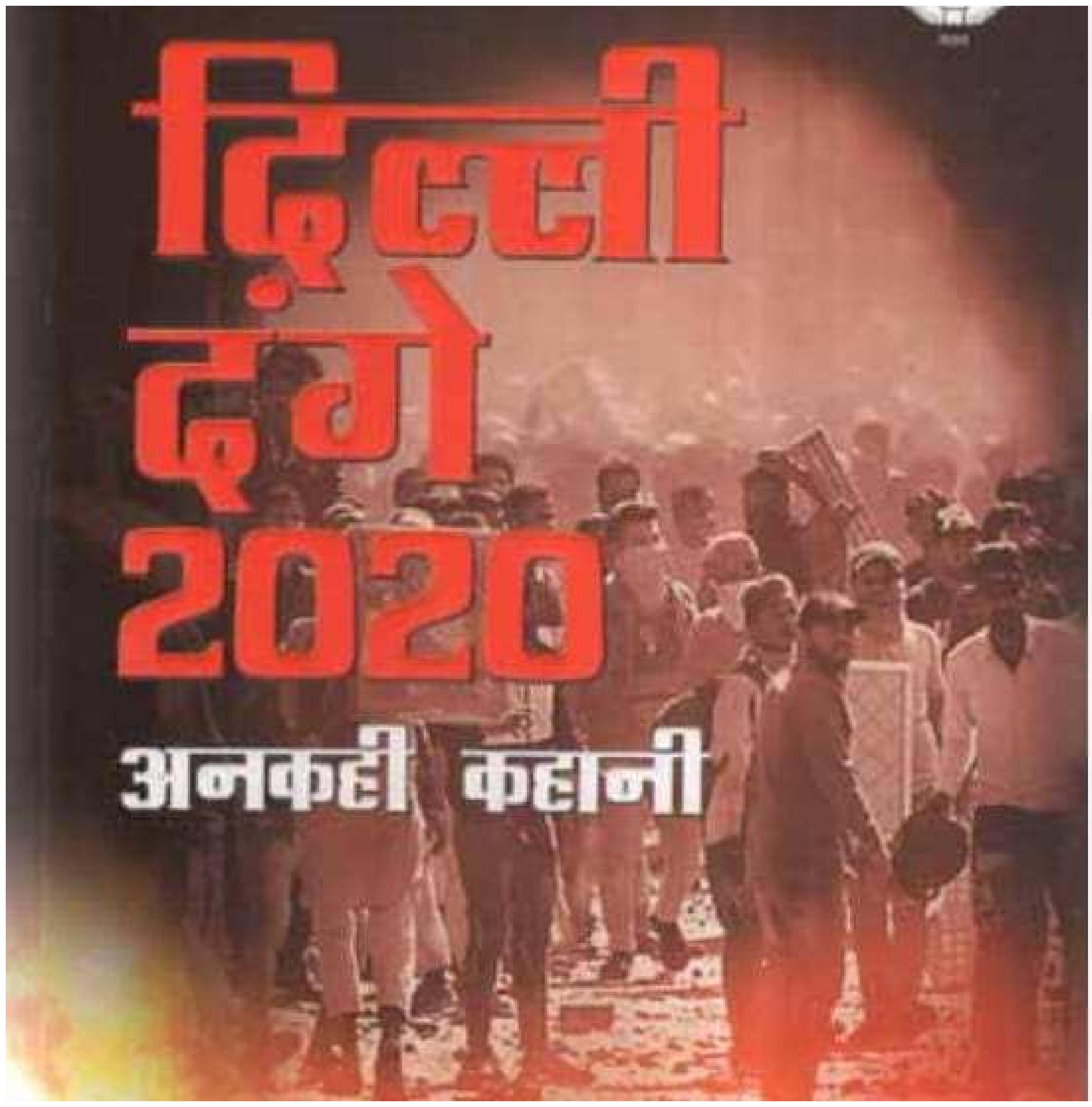

इंडियन एक्सप्रेस (17 सितंबर 2025 को प्रकाशित) के एक विश्लेषण से एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि 2020 के घातक दिल्ली दंगों के बाद दर्ज आपराधिक मामलों में, आरोपियों का लगभग पाँचवाँ हिस्सा बरी हो गया और उनके बरी होने का कारण मनगढ़ंत सबूत, काल्पनिक गवाह, पुलिस द्वारा लिखवाए गए बयान, जाँच अधिकारियों द्वारा जोड़े गए काल्पनिक श्तथ्यश और बनावटी बयान थे। न्यायाधीशों के इन निष्कर्षों के परिणामस्वरूप, इस अखबार द्वारा विश्लेषित 93 मामलों में से 17 में आरोपित बरी हो गए। 2020 के दंगों से संबंधित कुल 695 मामले दिल्ली की निचली अदालतों में चल रहे हैं, जिनमें से अगस्त 2025 के अंत तक 116 मामलों में फैसले सुनाए जा चुके हैं। इन 116 मामलों में से 97 में आरोपित बरी हो गए।

दिल्ली पुलिस, जिसे सीधे तौर पर गृह मंत्री अमित शाह नियंत्रित करते हैं, की बहुप्रशंसित लगन और प्रयासों से पहिया घूम चुका है। दंगों के कुछ ही हफ्ते बाद, 11 मार्च 2020 को, शाह ने संसद में एक लंबा बयान देकर दिल्ली पुलिस को उसके काम के लिए बधाई दी थी और बताया था कि 700 एफआईआर दर्ज की गई हैं, 2647 लोगों को हिरासत में लिया गया/गिरफ्तार किया गया है, 25 कंप्यूटरों पर सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया जा रहा है, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस आदि के सरकारी डेटाबेस से इस फुटेज का मिलान करके लोगों की पहचान करने के लिए फेशियल रिकग्निशन सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए 40 टीमें काम कर रही हैं और 49 गंभीर मामलों की जांच के लिए दो विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जा रहा है। उन्होंने सदन को यह भी बताया कि दंगों के पीछे एक बड़ी साजिश थी और एक अलग मामला बनाकर उससे निपटा जाएगा।कुल मिलाकर, शाह ने एक आक्रामक और चतुर नेता की छवि पेश की, जिन्होंने उन हजारों परिवारों को न्याय दिलाने के लिए दर्जनों कर्मियों और नवीनतम तकनीक का इस्तेमाल किया है, जिस नरसंहार में पीड़ित परिवारों के 53 लोग मारे गए थे और 700 घायल हो गए थे।

एक्सप्रेस की जाँच से कठोर सच्चाई उजागर होती है रू कैसे ज़मीनी स्तर पर पुलिस अधिकारियों ने मनगढ़ंत कहानियाँ गढ़कर ऐसे मामले बनाए, जिनका मक़सद अपराधियों को सज़ा दिलाना और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाना था। और, ध्यान रहे, यह सब न सिर्फ़ सरकार के आकाओं को खुश करने के लिए किया गया, बल्कि उस सिद्धांत को भी पुष्ट करने के लिए किया गया, जो शाह ने खुद उसी भाषण में संसद में पेश किया था। यह तथाकथित श्बड़ी साज़िशश का सिद्धांत था, जिसके अनुसार शहरी नक्सलियों और जेहादियों के एक समूह ने नागरिकता संशोधन क़ानून (सीएए) के ख़िलाफ़ लोगों को भड़काने और गुमराह करने की साज़िश रची थी, जिससे राजधानी में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन भड़क उठे, और फिर चालाकी से इस उभार को व्यापक हिंसा में बदल दिया, ताकि सरकार की छवि ख़राब हो, खासकर जब तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शहर के दौरे पर आए थे। झूठे और मनगढ़ंत सबूत, पुलिस द्वारा लिखवाए गए बयान – सब कुछ – इस तथाकथित बड़ी साज़िश को साबित करने के लिए किया गया था।

इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, अदालतों ने पाया कि पुलिस ने कम से कम 12 मामलों में या तो ष्कृत्रिमष् गवाह पेश किए थे या ष्गढ़े हुएष् सबूत पेश किए थे। कम से कम दो मामलों में, गवाहों ने गवाही दी कि पुलिस द्वारा उनके बताए जा रहे बयान वास्तव में उनके अपने नहीं थे, बल्कि ष्पुलिस द्वारा लिखवाए गए या उनमें हेरफेर किए गएष् थे। एक मामले में, न्यायाधीश ने केस रिकॉर्ड में ष्हेरफेरष् की ओर भी इशारा किया।

इंडियन एक्सप्रेस ने अगस्त में न्यू उस्मानपुर पुलिस स्टेशन के ऐसे ही एक मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश परवीन सिंह द्वारा दिए गए आदेश को उद्धृत किया है रू ष्जांच अधिकारी द्वारा साक्ष्यों को अत्यधिक बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया गया है और इसके परिणामस्वरूप आरोपियों के अधिकारों का गंभीर हनन हुआ है, जिनके खिलाफ संभवतः केवल यह दिखाने के लिए आरोप पत्र दाखिल किया गया है कि मामला सुलझा लिया गया है... ऐसे मामलों से जांच प्रक्रिया और कानून के शासन में लोगों के विश्वास को गंभीर नुकसान पहुंचता है।ष्

दो मामलों में, पुलिस ने झूठा दावा किया कि शिकायतकर्ता आरोपी नूर मोहम्मद की पहचान कर सकता है, लेकिन शिनाख्त परेड (टीआईपी) नहीं कराई गई, जिससे अदालत ने यह अनुमान लगाया कि पुलिस को अच्छी तरह पता था कि आरोपी के खिलाफ मामला मनगढ़ंत है। एक अन्य मामले में, अदालत ने अपने फैसले में कहा, ष्कथित अपराधों के प्रत्यक्षदर्शी मोहम्मद असलम नाम के किसी भी व्यक्ति का वास्तविक अस्तित्व भी संदेह के घेरे में आता है, और उसके काल्पनिक व्यक्ति होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।ष्

कुछ मामलों में, अभियोजन पक्ष ने स्वयं पुलिसकर्मियों को झूठे गवाह के रूप में पेश किया था, जैसा कि एक अन्य मामले के फैसले में बताया गया है, जिसमें न्यायाधीश ने लिखा रू ष्इन परिस्थितियों में, यह संभव है कि अभियुक्त नूरा को दंगाइयों के बीच देखने का एक कृत्रिम दावा... पीडब्ल्यू (अभियोजन पक्ष के गवाह) 4 ख्कांस्टेबल रोहताश, द्वारा किया गया था।ष् कई तथाकथित झूठे गवाहों को पुलिस ने पेश किया और मुकदमों के दौरान उनका पर्दाफाश हुआ। जैसा कि एक फैसले में कहा गया है, ष्इन पुलिस गवाहों की गवाही में चूक की यह निरंतरता, उनके द्वारा दिए गए एकसार बयान की संभावना की ओर इशारा करती है... यह स्थिति (तीन) कथित चश्मदीद गवाहों द्वारा घटना के गवाह होने के कृत्रिम दावे की संभावना की ओर इशारा करती है. ..।ष् दो मामलों में, संबंधित न्यायाधीशों ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद अभियोजन पक्ष के गवाहों को अभियुक्त की तस्वीरें दिखाने से यह आभास हुआ कि अभियोजन पक्ष के गवाह को "आरोपी व्यक्तियों की पहचान करने के लिए कृत्रिम रूप से चश्मदीद गवाह बनाया गया था।" एक अन्य मामले में, न्यायाधीश ने अपने फैसले में दर्ज किया कि अभियोजन पक्ष द्वारा केवल दो 'चश्मदीद गवाह' पेश किए गए थे और "दोनों ने ही आरोपी को दंगाइयों में से एक के रूप में पहचानने से इंकार किया है, और आगे कहा है कि शिकायत में दिए गए विवरण... ष्पुलिस के कहने पर उनके द्वारा लिखे गए थे।" न्यायाधीशों द्वारा गढ़े गए साक्ष्य के कई मामलों की ओर इशारा किया गया है, जिसम. ` उन्होंने कहा कि ष्02.04.2020 को अभियुक्तों की पहचान संभवतः एक बाद के घटनाक्रम का परिणाम थी,ष् और एक अन्य जहां फैसले ने निष्कर्ष निकाला कि ष्...इन दो पीड़ितों/घायल अधिकारियों द्वारा अभियुक्तों की पहचान की प्रक्रिया संदेह के बादलों से घिरी हुई है...ष् एक अन्य मामले में, न्यायाधीश ने कहा कि ष्...(एक गवाह के) बयान के संबंध में केस डायरी में संभावित हेरफेर है।ष्

पहले भी मार्च 2020 (दंगों के कुछ हफ़्ते बाद) में मीडिया रिपोर्टों में दर्ज मामलों में हेराफेरी करके लोगों को झूठे एफ़आईआर में फँसाने के कई मामले रिपोर्ट किए गए थे। उदाहरण के लिए, यह बताया गया था कि पूर्वी दिल्ली के दयालपुर पुलिस स्टेशन में आर्म्स एक्ट, 1959 के तहत दर्ज एफ़आईआर संख्या 0066/2020, 0067/2020, 0068/2020, 0069/2020 और 0070/2020 में, कहानी बहुत मिलती–जुलती है, बस फ़र्क़ शिकायतकर्ता के नाम और उस जगह की है, जहाँ पुलिस ने आरोपी को देखने का दावा किया था। इन सभी एफआईआर में कहा गया है कि अमुक कांस्टेबल को एक संदिग्ध व्यक्ति मिला, जिसने पुलिस से बचने की कोशिश की, उसे रोका गया और उसकी तलाशी ली गई, उसके पास एक देसी पिस्तौल मिली और उसे हिरासत में ले लिया गया। ये सभी आरोपी मुसलमान थे। इस मीडिया रिपोर्ट में आरोपियों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील के हवाले से कहा गया, ष्दयालपुर थाने के पास दो चौराहों पर पथराव की घटना हो रही थी। दंगाई भीड़ के बीच फंसे लोग किसी तरह थाने में शरण लेने के लिए घुस गए। उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने के बजाय, पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया, प्रताड़ित किया और बाद में गिरफ्तार कर लिया।ष् बाद में पुलिस अधिकारियों ने इन खबरों का खंडन किया।

दंगों के बाद मीडिया द्वारा रिपोर्ट की गई एक और आम घटना यह थी कि एक समुदाय के कुछ लोगों को बचाने और दूसरे समुदाय की शिकायतों को कमजोर करने के लिए एफआईआर को एक साथ जोड़ा जा रहा था। नवंबर 2023 में, दिल्ली की एक अदालत ने असंबंधित शिकायतों को गलत तरीके से जोड़ने के लिए दिल्ली पुलिस की निंदा की। संबंधित शिकायतों को एक साथ जोड़ा जा सकता है, खासकर सामूहिक हिंसा की घटनाओं में, जबकि दिल्ली में कई मामलों में जो हुआ, वह स्पष्ट रूप से अवैध और दुर्भावनापूर्ण था।

एक गंभीर मामले में, हाजी हासिम अली ने करावल नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि 25 फरवरी को शिव विहार में उनके दो मंजिला घर को एक सशस्त्र भीड़ ने आग लगा दी थी। उनकी शिकायत को नरेश चंद द्वारा दर्ज एफआईआर संख्या 72/2020 के साथ मिला दिया गया। उन्होंने भी आरोप लगाया था कि उनके घर और दुकान को दंगाई भीड़ ने जला दिया था। यहां तक कि अदालत ने भी जांच के दौरान दिल्ली पुलिस के ष्कठोर रवैयेष् के लिए उसे कड़ी फटकार लगाई थी और पुलिस की कार्रवाई पर आश्चर्य व्यक्त किया था।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव ने 26 मार्च को मामले की सुनवाई करते हुए कहा था, ष्यह वास्तव में अजीब है कि प्रतिवादी नंबर 1 (अली) के घर को जलाने के संबंध में शिकायत को नरेश चंद की शिकायत के साथ जोड़ दिया गया, जो कि एफआईआर नंबर 72/2020, पीएस करावल नगर है और बाद में प्रतिवादी नंबर 1 को उसी मामले में गिरफ्तार कर लिया गया, जिसका अर्थ है कि वह न केवल मामले में शिकायतकर्ता है, बल्कि एक आरोपी भी है, जो एक स्पष्ट मूर्खता है।ष्

दिल्ली दंगों की यह दुखद घटना, सत्ताधारी दल द्वारा अपनी ज़हरीली और विभाजनकारी विचारधारा को साधने के लिए जाँच एजेंसियों के अपहरण को एक बार फिर उजागर करती है। लेकिन यह अपहरण न्याय प्रदान करने की पूरी प्रक्रिया को ढकने की कोशिश करती है और क़ानून के शासन को तहस–नहस करती है। सौभाग्य से, न्यायिक जाँच कुछ मामलों में इस ख़तरनाक चाल को पकड़ पाने में कामयाब रही है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और राजनैतिक टिप्पणीकार हैं। अनुवादक अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा के उपाध्यक्ष हैं। संपर्क रू 94242–31650)

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

प्रकाशनार्थ : जीएसटी सुधार से स्वदेशी तक : सब पाखंड ही पाखंड'

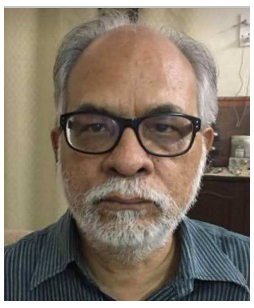

राजेंद्र शर्मा

नरेंद्र मोदी और उनकी भाजपा तथा संघ परिवार ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वे हिटलर के प्रचारमंत्री गोयबल्स के इस सिद्घांत के पक्के अनुयाई हैं कि सौ बार झूठ बोलो और बड़ा झूठ बोलो, तो लोगों से कुछ भी सच मनवाया जा सकता है। इस बार यह जीएसटी में कथित श्श्सुधारश्श या जीएसटी 2.0 के नाम पर किया जा रहा है। खुद प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्र के नाम एक विशेष संबोधन करने के लिए आए, ताकि लोगों से यह मनवा सकें कि लगभग आठ साल जीएसटी के नाम पर, असमानतापूर्ण तरीके से आम लोगों के अंधाधुंध लूटे जाने के बाद, इस लूट का मामूली तरीके से कम किया जाना, आंशिक रूप से गलती का सुधार नहीं है, बल्कि कोई बहुत बड़ी सौगात है, जो मोदी सरकार लोगों को दे रही है, कोई कृपा है, जो यह सरकार लोगों पर कर रही है। गोयबल्स की शिक्षा चूंकि बड़ा झूठ बोलने की थी, इसे जनता के लिए एक श्बचत उत्सवश्श ही बताया जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री के दावे के अनुसार श्सब का मुंह मीठाश्श होने जा रहा है। और मोदी राज में चूंकि हरेक सरकारी निर्णय को हिंदुत्ववादी रंग में रंगा जाना ही नया नियम बना दिया गया है, इस कथित श्शमिठाईश्श को भी हिंदू त्योहारों के सीजन के साथ जोड़ दिया गया है, जिसके बांटे जाने की शुरूआत नवरात्रि से करने का विशेष ध्यान रखा गया है।

बेशक, बहुत से लोगों के मन में इस पर कई सवाल हैं कि प्रधानमंत्री को कथित श्शबचत उत्सवश्श की घोषणा करने के लिए खुद सामने आने और राष्ट्र के नाम संबोधन का सहारा लेने की क्या जरूरत थी? ये सवाल इसके बावजूद पूछे जा रहे हैं कि यह तो सभी जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी, अपनी सरकार की मामूली से मामूली राहत का श्रेय, सीधे खुद ही लेना बहुत जरूरी समझते हैं। जो प्रधानमंत्री, नयी ट्रेनों को झंडी दिखाकर रवाना करने तक की लाइम लाइट किसी के साथ साझा नहीं करता हो, वह कथित रूप से 2 लाख करोड़ रु. सालाना से ज्यादा की कर राहत का श्रेय बटोरने के लिए राष्ट्र को संबोधित करने में संकोच कर रहा होता, तब ही हैरानी की बात होती। लेकिन, इस मामले में तो श्रेय का दावा नहीं करने या श्रेय किसी के साथ साझा करने का भी कोई सवाल नहीं था। ठीक सवा महीना पहले, लाल किले से अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में प्रधानमंत्री प्रजा को यह सौगात मिलने और नवरात्रि से ही मिलने का बाकायदा और पर्याप्त विस्तार से एलान कर चुके थे, जिसे उसके बाद सूत्रों से आयी जानकारियों के जरिए प्रस्तावित श्शजीएसटी सुधारश्श के ब्यौरों के साथ बात आगे भी बढ़ाया जा चुका था।

बहरहाल, जीएसटी में निर्णय की जो औपचारिक व्यवस्था है, जिसमें जीएसटी परिषद के माध्यम से राज्यों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल करने की खाना–पूर्ति ही की जाती है और उसके हिसाब से प्रधानमंत्री को ऐसी घोषणा करने कोई अधिकार ही नहीं था, जब तक जीएसटी परिषद विचार के बाद ऐसे निर्णय पर नहीं पहुंचती। बहरहाल, जीएसटी की व्यवस्था में राज्यों को बराबरी का भागीदारी बनाने के पाखंड का चोगा उतारते हुए, न सिर्फ प्रधानमंत्री द्वारा इकतरफा तरीके से इस साझा कर में इकतरफा बदलाव की घोषणा कर दी गयी, उसके बाद गुजरे दो–तीन हफ्तों में सीधे केंद्र सरकार के निर्देश पर, संबंधित बदलावों पर कथित रूप से विचार करने की खाना–पूर्ति कर के, अनुमोदन की मोहर भी लगा दी गयी। और यह सब कथित रूप से सर्वसम्मति से हुआ क्योंकि 2017 में थोपी गयी जीएसटी की अंधाधुंध लूट में जो भी थोड़ी–बहुत कमी की जा रही थी, उसका विरोध तो कोई राजनीतिक पार्टी कर भी कैसे सकती थी।

फिर भी 15 अगस्त की मूल घोषणा और 22 सितंबर से जीएसटी कर राहतों का लागू होना शुरू होने के बीच के करीब सवा महीने में ही, प्रधानमंत्री को दोबारा राष्ट्र को यह याद दिलाने की जरूरत पड़ गयी कि यह सौगात उन्हीं ने दी है। यह जितना अपने तीसरे कार्यकाल में नरेंद्र मोदी की राजनीतिक, जन–समर्थन के पहलू से असुरक्षा को दिखाता है, उतना ही गोयबल्स की सीख पर उनकी बढ़ती निर्भरता को दिखाता है। यह अकारण ही नहीं है कि एक प्रकार से समूचे उद्योग जगत से इस श्शजीएसटी सुधारश्श के लिए विज्ञापनों की भाषा में श्श्थैंक यू मोदी जीश्श का जयगान कराने के बाद, अब भाजपा के तमाम सांसदों समेत, समूची भाजपा और जहां तक हो सके एनडीए को भी, पूरे हफ्ते भर के जीएसटी–प्रचार अभियान का टास्क सौंप दिया गया है। एक प्रकार से इसी प्रचार अभियान की शुरूआत खुद प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबा.धन से हुई है।

लेकिन, जीएसटी रियायतों को प्रचार के जरिए फुलाकर, उनके वास्तविक आकार से कई गुना बड़ा करने की ये कोशिशें, खासतौर पर बाजार की पदयात्राओं के जरिए, जीएसटी की सबसे घातक मार झेलने वाले लघु तथा सूक्ष्म उद्योगों या एमएसएमई के घावों को कितना भर पाएंगी, कहना मुश्किल है। यह एक जानी–मानी सचाई है कि 2017 में बहुत ही तड़क–भड़क के साथ और वास्तव में 15 अगस्त 1947 के मध्य–रात्रि के स्वतंत्रता की घोषणा करने वाले संसद के विशेष सत्र की भोंडी नकल पर, श्शएक देश, एक टैक्सश्श के नारे के साथ, मध्य रात्रि के संसद सत्र से घोषित जीएसटी व्यवस्था की, सबसे विध्वंसक मार एमएसएमई क्षेत्र पर ही पड़ी है, जो कृषि के बाद हमारे देश में सबसे ज्यादा लोगों को रोजगार देने वाला क्षेत्र है। इस विध्वंस का इस दौर में बेरोजगारी को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंचाने में सबसे बड़ा योगदान रहा है।

इशारों में सरकार की ओर किए जा रहे प्रचार के विपरीत, कथित जीएसटी सुधार, एसएसएमई के कई उत्पादों की कीमतों में कुछ कमी तो जरूर कर सकते हैं, लेकिन जीएसटी द्वारा पैदा किए गए संकट से इस क्षेत्र को उबार नहीं सकते हैं। वास्तव में यह बाल काटकर मुर्दे के हल्का हो जाने की उम्मीद करने का ही मामला है। लेकिन, एमएमएमई पर घातक प्रहार, उसके लिए जीएसटी की प्रभावी दरें ज्यादा रही होने भर का मामला नहीं है। यह एक कर व्यवस्था के रूप में जीएसटी के अपनी डिजाइन में ही एमएसएमई विरोधी होने का मामला है। सभी जानते हैं और जीएसटी को यह कहकर बराबर प्रचा.रित भी किया जाता रहा है कि यह अर्थव्यवस्था के अनौपचारिक क्षेत्र को, औपचारिक क्षेत्र बनाने का उद्यम है। लेकिन, भारतीय अर्थव्यवस्था के दुर्भाग्य से अनौपचारिक क्षेत्र को, जो हमारी अर्थव्यवस्था का बहुत बड़ा हिस्सा है, जबर्दस्ती औपचारिक अर्थव्यवस्था में धकियाने की यह कोशिश, मर्ज के साथ मरीज को भी मारने वाली कोशिश साबित हुई है। जीएसटी की दरों में मामूली कमी से यह संकट हल होने वाला नहीं है।

मोदी राज के सारे प्रचार हंगामे के बावजूद, यह भी किसी से छुपा हुआ नहीं है कि जीएसटी दरों में की गयी कमी, एक मामूली कटौती से किसी भी तरह ज्यादा नहीं है। याद रहे कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में भी, छरू महीने पहले बजट में घोषित आयकर दरों में कटौतियों को जोड़कर भी, कुल 2.5 लाख करोड़ रु. लोगों के पास बचने की घोषणा की है। याद रहे कि 2024–25 में कुल जीएसटी राजस्व 22.08 लाख करोड़ रहा था यानी आयकर रियायत को भी जोड़कर, यह रियायत कुल जीएसटी राजस्व के 10वें हिस्से के बराबर ही रहने जा रही है।

याद रहे कि यह रियायत भी, प्रधानमंत्री के दावे के विपरीत सिर्फ मेहनतशों, गरीबों, मध्यग वर्ग और तथाकथित नव–मध्यम वर्ग तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि संपन्नतर वर्ग के हिस्से में भी जाएगी, जिसका इस अतिरिक्त बचत से उपभोग शायद ही बढ़ेगा और उसी अनुपात में इस बचत के खर्च किए जाने से अर्थव्यवस्था में पैदा होने वाली अतिरिक्त मांग, घटकर पैदा होगी।

इसलिए, इतनी सी रियायत के सहारे अगर मोदी सरकार अर्थव्यवस्था में नये प्राण फूंकने के दावे कर रही है, तो इसे उसकी हवा–हवाई दावों का सहारा लेने की प्रवृत्ति का ही एक और उदाहरण समझा जाना चाहिए। सचाई यह है कि ट्रंप के टैरिफ प्रहार के रूप में भारतीय अर्थव्यवस्था लिए जितनी समस्या खड़ी कर दी गयी है और एच1बी वीसा की फीस में बेहिसाब बढ़ोतरी समेत नये–नये कदमों से ट्रंप प्रशासन जिस तरह इन समस्याओं को बढ़ाने में ही लगा हुआ है, ये रियायतें तो उसके धक्के की काट भी शायद ही कर पाएंगी। दूसरी ओर, कथित जीएसटी–सुधार के प्रचार में मोदी राज अपनी जितनी ताकत लगा रहा है, उसमें इसका इशारा भी छुपा हुआ है कि धनी तबकों पर कर बढ़ाकर, उसके बल पर मेहनतकशों के हाथों में क्रय शक्ति तथा सार्वजनिक निवेश में उल्लेखनीय बढ़ोतरी करने के जरिए, अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए कोई वास्तविक धक्का देने के किसी प्रयास की तो, मोदी सरकार से उम्मीद ही नहीं की जा सकती है।

इन हालात में और खासतौर पर ट्रंप के टैरिफ प्रहार के सामने, अपने शासन के ग्यारहवें साल में नरेंद्र मोदी ने जो अचानक श्शस्वदेशीश्श का मंत्रजाप शुरू कर दिया है, उसे भी कम से कम ठोकर खाकर रास्ता सुधारने के रूप में गंभीरता से नहीं लिया जा सकता है। इसके विपरीत, यह श्शस्वदेशीश्श का मंत्र जाप, वर्तमान संकट से ध्यान बंटाने का ही स्वांग ज्यादा लगता है, जिसमें नरेंद्र मोदी सिद्धहस्त हैं। पिछले तीन–चार साल का ही अनुभव हमारे इस संशय की पुष्टि कर देता है। पाठकों को याद होगा कि करोना संकट के बीच, जब चुनौतियां बढ़ती नजर आ रही थीं, प्रधानमंत्री मोदी ने अचानक आत्मनिर्भरता का जाप करना शुरु कर दिया था, बल्कि इसके लिए 20 लाख करोड़ रु. के निवेश का भी एलान कर दिया था।

लेकिन, कोरोना की पहली लहर के उतार के साथ ही आत्मनिर्भरता का जाप भी भुला दिया गया। कारा.ना के बाद के इन तमाम वर्षों में बीमा क्षेत्र के दरवा.जे सौ फीसदी विदेशी निवेश के लिए तथा खनन क्षेत्र के दरवाजे विदेशी कंपनियों के लिए खोलने से लेकर, रक्षा क्षेत्र में खासतौर पर अमरीका से बड़ी खरीददारियां करने तक के जो भी कदम उठाए गए हैं, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी से उल्टी दिशा में ही जाने वाले कदम है। और तो और, वर्तमान संकट के बीच भी, मुश्किल से दो हफ्ते पहले प्रधानमंत्री इसका एलान कर रहे थे कि उन्हें इससे मतलब नहीं है कि पूंजी किस की है, पूंजी कैसी है, किस रंग की है, पसीना मेरे देशवासियों का लगना चाहिए! यही अगर स्वदेशी है, तो स्वदेशी की परिभाषा बदल देनी चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और साप्ताहिक पत्रिका श्लोकलहरश के संपादक हैं।)

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर संपादकीय

बारिश बनी संकट

संपादक - राज कुमार

कोलकाता एक बार फिर खुद को ़ सचमुच और लाक्षणिक रूप से ़ भारी बारिश और अपनी शहरी कमज़ोरियों के बोझ तले डूबा हुआ पाया। एक दिन से भी कम समय में, 250 मिलीमीटर से ज़्यादा बारिश ने सड़कों को नालों में बदल दिया, रेल सेवाओं को बाधित कर दिया और पूरे मोहल्ले घुटनों तक पानी में डूब गए। कम से कम 10 लोगों की जान चली गई, जिनमें से ज़्यादातर बिजली के झटके से मारे गए, यह एक भयावह चेतावनी है कि शहर का पुराना विद्युत ग्रिड और नाज़ुक जल निकासी व्यवस्था मौसम की नई चरम स्थितियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है। समय इससे ज़्यादा क्रूर नहीं हो सकता था। शहर के सबसे प्रिय त्योहार, दुर्गा पूजा से कुछ दिन पहले बाढ़ आई, जब हर इलाके में भव्य अस्थायी पंडाल लगाए जाते हैं और लाखों निवासी जश्न मनाने के लिए सड़कों पर उतर आते हैं। इनमें से कई पंडाल अब पानी से लबालब हैं, जिससे न केवल उत्सवों पर बल्कि हज़ारों कारीगरों, इलेक्ट्रीशियनों, सज्जाकारों और छोटे व्यापारियों की आय पर भी ख़तरा मंडरा रहा है, जो अपनी आजीविका के लिए इस मौसम पर निर्भर हैं, और उन कॉर्पोरेट्स की भी जो साल के इस समय अपने बजट का एक बड़ा हिस्सा प्रचार गतिविधियों के लिए अलग रखते हैं। जो समय रंगों और संगीत का होना चाहिए था, वह सूखी ज़मीन और बुनियादी सुरक्षा के लिए संघर्ष में बदल गया है। यह सिर्फ़ प्रकृति का एक दुर्भाग्यपूर्ण संयोग नहीं है। यह दशकों की उपेक्षा का नतीजा है। कोलकाता का जल निकासी ढाँचा एक अलग सदी के लिए डिज़ाइन किया गया था, जब वर्षा के पैटर्न ज़्यादा अनुमानित थे और जनसंख्या का दबाव कम था। लालची बिल्डरों द्वारा पाटी गई आर्द्रभूमि, जाम हुई नहरें और अनियोजित निर्माण ने शहर को अचानक होने वाली बारिश को झेलने में असमर्थ बना दिया है। हर साल मानस. ून इन संरचनात्मक कमज़ोरियों को उजागर करता है, फिर भी जलवायु–प्रतिरोधी शहरी नियोजन में गंभीर निवेश अभी भी अधूरा और राजनीतिक रूप से जटिल बना हुआ है। यह संकट एक गहरी असमानता को भी उजागर करता है ़ जहाँ उच्च–स्तरीय बस्तियाँ अंततः पानी से भर जाती हैं और फिर से भर जाती हैं, वहीं गरीब इलाके कई दिनों तक जलमग्न रहते हैं, जिससे एक प्राकृतिक आपदा सबसे कमज़ोर लोगों के लिए एक दीर्घकालिक मानवीय आपातकाल में बदल जाती है। बड़ी चेता. वनी स्पष्ट है। जलवायु वैज्ञानिक लंबे समय से आगाह करते रहे हैं कि जैसे–जैसे धरती गर्म होगी, अत्यधिक बारिश की घटनाएँ और भी ज़्यादा बार और तीव्र होती जाएँगी। कोलकाता की ताज़ा बाढ़ कोई अनोखी घटना नहीं, बल्कि एक और भी ज़्यादा गीले और कठोर भविष्य का पूर्वावलोकन है। निष्क्रियता की कीमत न केवल संपत्ति के नुकसान या त्योहारों में व्यवधान के रूप में, बल्कि मानव जीवन और दीर्घकालिक आर्थिक नुकसान के रूप में भी आंकी जाती है। राहत अभियान ़ जलमग्न सड़कों से पानी निकालना, परिवहन संपर्क बहाल करना, शोक संतप्त परिवारों को मुआवज़ा देना ़ आवश्यक और अत्यावश्यक हैं। लेकिन ये व्यवस्थागत बदलाव का विकल्प नहीं हो सकते। शहर को आधुनिक जल निकासी नेटवर्क, मज़बूत तटबंधों और एक ऐसे पावर ग्रिड की ज़रूरत है जो गड्ढों को जानलेवा जाल में बदले बिना भारी बाढ़ का सामना कर सके। पूर्व–चेतावनी प्रणालियाँ और आपदा–तैयारी अभ्यास नियमित होने चाहिए, न कि कभी–कभार। कोलकाता लचीलेपन के मामले में कोई नई बात नहीं है। इसके लोगों ने चक्रवातों, महामारियों और आर्थिक उथल–पुथल के बाद पुनर्निर्माण किया है। फिर भी, बिना सुधार के लचीलापन केवल सहनशीलता है। अगर शहर योजना बनाने के बजाय तात्कालिकता पर निर्भर रहेगा, तो हर मानसून न केवल बारिश लाएगा, बल्कि वही दुखद सुर्खियाँ भी लाएगा। पानी तो कम हो जाएगा, लेकिन निर्णायक कार्रवाई के बिना, अगला तूफ़ान वही कमज़ोरियाँ ढूँढेगा ़ और वही बेवजह की पीड़ा।

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

ललित गर्ग

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या 'कुदरत की नाराज़गी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे–सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवे. दनशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े–बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन–जीवन अस्त–व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान–माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं।

आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विक. राल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था–"प्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं।" यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विक. राल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मर्यादा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर–मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब–ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं। वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है।

भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली–बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप–बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं।

देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोग. ों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है। सड़कों पर नावें चल रही हैं, पुल बह गए हैं, खेत–खलिहान जलमग्न हैं। यह नजारा केवल विनाश का नहीं, बल्कि हमारी नासमझी का प्रमाण है। प्रकृति बार–बार संकेत देती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है, लेकिन हमने उसकी सीमाओं को लांघ दिया है। पहाड़ों को खोखला कर सुरंगें और सड़कें बनाई गईं। जंगलों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए। नदियों को उनके मार्ग से हटाकर कृत्रिम रास्तों में बांध दिया गया। आज जब बादल फटते हैं या नदियाँ बेकाबू होती हैं, तो यह केवल आपदा नहीं बल्कि प्रकृति का प्रतिशोध है। अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मुआवजा देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा, पर्वतीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की रक्षा ही उनके जीवन की रक्षा है। जरूरत है कि आपदाओं को केवल 'प्राकृतिक' न मानकर उन्हें 'मानव निर्मित' एवं सरकार की गलत नीतियों की आपदाएं' भी समझा जाए। इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियां बनानी चाहिएं, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें। प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने समय रहते संतुलित विकास का मार्ग नहीं चुना तो भविष्य और अधिक भयावह होगा। पूर्व चेतावनी प्रणाली को सशक्त बनाना, पहाड़ी राज्यों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना, आपदा प्रबंधन तंत्र को त्वरित और प्रभावी बनाना, और सबसे बढ़कर–वनों एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना, यह सब आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

अशोक कौल ने भाजपा बांदीपोरा की संगठनात्मक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

सबका जम्मू कश्मीर

बांदीपोरा : भाजपा महासचिव (संगठन) जम्मू–कश्मीर, अशोक कौल ने भाजपा कार्यालय, बांदीपोरा में जिला बांदीपोरा टीम के साथ एक संगठनात्मक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में जिला पदाधिकारियों, पूर्व जिला अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति देखी गई, जो जमीनी स्तर पर पार्टी की बढ़ती ताकत और प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बैठक में जम्मू–कश्मीर भाजपा महासचिव अनवर खान, राज्य सचिव मुदासिर वानी, जिला प्रभारी रफीक वानी और जिला अध्यक्ष मुदासिर फारूक जान प्रमुख रूप से उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए, अशोक कौल ने बांदीपोरा के हर कोने में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को और मज़बूत करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता की सेवा में समर्पित होने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को घर–घर तक पहुँचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ताओं में निहित है और आम आदमी से जुड़ना, उनकी समस्याओं को सुनना और पूरी ईमानदारी से उनका समाधान करना हमारी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने ज़िला टीम से बूथ स्तर की गति. विधियों, युवाओं को जोड़ने और हाशिए पर पड़े वर्गों तक पहुँचने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

बैठक को संबोधित करते हुए अनवर खान ने इस बात पर ज़ोर दिया कि बांदीपोरा एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और सामाजिक केंद्र के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक कार्य प्रत्येक मतदाता तक पहुँचकर और सभी स्तरों पर पार्टी की उपस्थिति सुनिश्चित करके इस जनविश्वास को संगठनात्मक शक्ति में बदलना है।

मुदासिर फ़ारूक़ जान ने नेतृत्व को आश्वा. सन दिया कि बांदीपोरा इकाई भाजपा के आधार को बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बांदीपोरा भाजपा ज़मीनी स्तर पर अथक परिश्रम कर रही है और समर्पण और अनुशासन के साथ पूरे ज़िले में पार्टी के विज़न का प्रसार करती रहेगी।

रंगयुग, 92.7 बिग एफएम अभिनव थिएटर में प्रशंसित डोगरी नाटक चंचलो का चौरिटी शो आयोजित करेगा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : रंगयुग – सामाजिक परिवर्तन और आत्म–साक्षात्कार के लिए रंगमंच, 92.7 बिग एफएम के साथ मिलकर अपनी पहल ष्हैंड्स फॉर ह्यूमैनिटीष के माध्यम से, जम्मू में हाल ही में आई बाढ़ के पीड़ितों की सहायता के लिए अपने प्रशंसित डोगरी नाटक ष्चंचलोष का एक विशेष चौरिटी शो आयोजित कर रहा है, जिसमें बिग एफएम की रेडियो जॉकी डॉ. जूही मोहन भी शामिल होंगी।

वरिष्ठ रंगकर्मी दीपक कुमार द्वारा निर्देशित और नादिरा ज़हीर बब्बर के प्रसिद्ध हिंदी नाटक ष्सकुबाईष का रेडियो जॉकी डॉ. जूही मोहन द्वारा डोगरी में रूपांतरित, चंचलो को इसकी प्रभावशाली कहानी और भावनात्मक गहराई के लिए सराहा गया है। रेडियो जॉकी डॉ. जूही के प्रभावशाली अभिनय ने जम्मू भर के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है और उनके लचीलेपन और संघर्ष के चित्रण ने उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया है।

अभिनव थिएटर में आगामी शो 20 सितंबर 2025 को डोनर टिकटों के साथ आयोजित किया जाएगा और इससे प्राप्त राशि जम्मू और कश्मीर में बाढ़ प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए जाएगी। हालाँकि, जो लोग डोनर टिकट नहीं खरीद पा रहे हैं, वे भी नाटक देखने के लिए स्वागत योग्य हैं, क्योंकि रंगयुग सभी को इस सार्थक नाट्य यात्रा का हिस्सा बनने की कामना करता है।

इस पहल के बारे में बोलते हुए, रंगयुग के निदेशक दीपक कुमार ने कहारू ष्चंचलो हाशिए पर पड़े लोगों की आवाज़ है, समाज का आईना है। हम इस विशेष प्रदर्शन को हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए समर्पित कर रहे हैं। रंगमंच, जब करुणा से जुड़ जाता है, तो बदलाव की एक सच्ची शक्ति बन जाता है। रंगयुग, रंगमंच प्रेमियों, छात्रों, परिवारों और जम्मू के सांस्कृतिक समुदाय के सदस्यों को 20 सितंबर को अभिनव थिएटर में चंचलो के इस प्रदर्शन को देखने और इस नेक काम में अपना योगदान देने के लिए हार्दिक आमंत्रित करता है।

पीडीपी प्रमुख मुफ्ती ने अमित शाह से यासीन मलिक के खिलाफ मामले में मानवीय दृष्टिकोण अपनाने को कहा

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर प्रतिबंधित जेकेएलएफ सुप्रीमो मोहम्मद यासीन मलिक के खिलाफ मामले में मानवीय दृष्टिकोण अपनाने को कहा है क्योंकि उन्होंने हिंसा का त्याग कर राजनीतिक जुड़ाव का रास्ता चुना है।

मलिक को फरवरी 2019 में गिरफ्तार किया गया था और वह कई मामलों का सामना कर रहा है, जिनमें रुबैया सईद के अपहरण, 1990 में रावलपोरा में भारतीय वायुसेना कर्मियों पर हमला और एनआईए द्वारा दर्ज 2017 के आतंकी–वित्तपोषण मामले शामिल हैं।

मलिक ने दावा किया था कि वह "गंभीर हृदय और गुर्दे की बीमारियों" से पीड़ित हैं और वर्तमान में "जीवन और मृत्यु की स्थिति" का सामना कर रहे हैं।

मुफ्ती ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ष्मैंने श्री अमित शाह जी को यासीन मलिक के मामले को मानवीय दृष्टिकोण से देखने के लिए लिखा है।

हालांकि मैं उनकी राजनीतिक विचारधारा से असहमत हूं, लेकिन हिंसा का त्याग करने और राजनीतिक जुड़ाव और अहिंसक असहमति का रास्ता चुनने के लिए उनके साहस को नजर. अंदाज नहीं किया जा सकता।ष

उन्होंने गृह मंत्री को लिखे पत्र को अपने एक्स हैंडल पर भी पोस्ट किया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने शाह को लिखे पत्र में कहा, ष्मैं आपके सम्मानित कार्यालय से यासीन मलिक के मामले की सहानुभूतिपूर्वक और तत्काल समीक्षा करने की अपील करता हूं। यासीन मलिक एक ऐसा नाम है जो कभी प्रतिरोध का प्रतीक था, बाद में उसने संयम का रास्ता चुना और अब जेल की दीवारों के पीछे चुप है।ष

मुफ्ती ने कहा कि मलिक में गहरा परिवर्तन आया है क्योंकि उन्होंने हिंसा का त्याग कर राज्य पर भरोसा जताया है।

ष्यासीन मलिक की यात्रा भारतीय राज्य के लिए कोई रहस्य नहीं है। 1994 में, उन्होंने हथियार डालने और परिवर्तन के लिए राजनी. तिक, अहिंसक तरीकों को अपनाने का एक साहसी और दुर्लभ निर्णय लिया।

पीडीपी अध्यक्ष ने कहा, ष्उनके (मलिक के) शपथपत्रों (दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष) के अनुसार, यह बदलाव न तो एकतरफा था और न ही आवेगपूर्ण था, बल्कि भारतीय एजेंसियों के साथ गुप्त समझौते के माध्यम से इसे प्रोत्साहित और सुगम बनाया गया था।

मुख्य सचिव ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले और विधिक माप विज्ञान विभागों के कामकाज की समीक्षा की

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले (थ्ब्ै–ब्।) और विधिक माप विज्ञान विभागों की एक विस्तृत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जहाँ आयुक्त सचिव सौरभ भगत ने विभाग के कामकाज, उपलब्धियों और आगामी कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

बैठक में निदेशक, थ्ब्ै–ब्।, कश्मीर/जम्मू; नियंत्रक, विधिक माप विज्ञान और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने डिजिटलीकरण, आधार एकीकरण और खाद्य वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने में विभाग की उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने सेवा वितरण में दक्षता बढ़ाने के लिए अयोग्य लाभार्थियों को हटाने, उपभोक्ता संरक्षण तंत्र को मज़बूत करने और कार्यों को समय पर पूरा करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

मुख्य सचिव को अवगत कराया गया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधि. नियम (एनएफएसए) जम्मू–कश्मीर में 25.61 लाख परिवारों के 102.54 लाख से अधिक व्यक्तियों को लाभान्वित कर रहा है, जिससे वंचित वर्गों को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है। वितरण में एनएफएसए के तहत 3.70 लाख क्विंटल, गैर–एनएफएसए के तहत 1.59 लाख क्विंटल, पीएमजीकेएवाई के तहत 1.24 लाख क्विंटल और राज्य आयुष्मान अन्न योजना (एसएएवाई) के तहत मासिक आधार पर 0.20 लाख क्विंटल शामिल हैं।

यह भी बताया गया कि जम्मू–कश्मीर ने राशन कार्डों और लाभार्थियों की 100: आधार सीडिंग का लक्ष्य हासिल कर लिया है, जिसमें 96.55: प्रमाणित लेनदेन हैं, जिससे सार्वजनिक वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है। इस नेटवर्क में 6611 बिक्री केंद्र शामिल हैं, जिनमें से 6362 ई–पीओएस उपकरणों के माध्यम से ऑनलाइन संचालित होते हैं।

एनएफएसए के कार्यान्वयन के बारे में यहाँ बताया गया कि एएवाई (अंत्योदय अन्न योजना) के अंतर्गत 2.21 लाख परिवार (8.76 लाख लाभार्थी) आते हैं, जिन्हें प्रति राशन कार्ड मासिक 35 किलोग्राम खाद्यान्न निःशुल्क मिलता है।

वरिष्ठ वकील कोतवाल ने पीएसए के तहत हिरासत में लिए गए आप विधायक का मामला लड़ने वाली टीम से खुद को अलग कर लिया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : वरिष्ठ अधिवक्ता और जम्मू–कश्मीर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन जम्मू के अध्यक्ष निर्मल के. कोटवाल ने गुरुवार को हिरासत में लिए गए आप विधायक मेहराज के मामले की पैरवी कर रहे वकीलों की टीम से खुद को अलग कर लिया। मलिक पर आरोप लगाया कि उन्होंने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता के संबंध में सोशल मीडिया पर ष्असंवेदनशील और गैरजिम्मेदारानाष बयान दिए हैं।

मेहराज की नजरबंदी को चुनौती देने के लिए 10 सदस्यीय कानूनी टीम की घोषणा की। मलिक पर कठोर सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मलिक (37) को 8 सितंबर को डोडा में कथित तौर पर जिले में सार्वजनिक व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। उनकी हिरासत के बाद हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके बाद अधिक. ारियों ने निषेधाज्ञा लागू कर दी और मोबाइल इंटरनेट तथा ब्रॉडबैंड सेवाएँ बंद कर दीं।

में कहा, ष्अपनी अंतरात्मा, पेशेवर नैतिकता और राष्ट्रीय अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए, मैं पीएसए कार्यवाही से संबंधित मामले में मलिक का प्रतिनिधित्व करने से खुद को अलग करता हूँ । भारत की एकता और संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है और इन्हें कमज़ोर करने वाले किसी भी कृत्य या बयान को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता ।

कठुआ में गांधी जयंती पूर्व इंटर कॉलेज प्रतियोगिताएं आयोजित

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : महात्मा गांधी के मूल्यों से युवा पीढ़ी को प्रेरित करने के उद्देश्य से राजकीय महाविद्यालय (ळक्ब) कठुआ की साहित्यिक समिति ने इंटर कॉलेज पेंटिंग, वाद–विवाद, वकृत्व और क्विज़ प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया। इस एक दिवसीय कार्यक्रम में जिले के आठ महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा, सृजनात्मकता और गांधीजी के जीवन व दर्शन की समझ का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज की प्राचार्य डॉ. सावि बहरा के मार्गदर्शन और अंग्रेज़ी विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज शर्मा के संयोजकत्व में हुआ। स्वागत भाषण में डॉ. शर्मा ने कहा कि यह प्रतियोगिताएँ गांधीजी की विरासत को नमन करने के साथ–साथ युवाओं को उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं।

पेंटिंग प्रतियोगिता में वंशिका (ळक्ब कठुआ) प्रथम, तानिया राजपूत (ळक्ब कठुआ) द्वितीय और आयशा ठाकुर (ळक्ब बिलावर) तृतीय स्थान पर रहीं।

वाद–विवाद प्रतियोगिता में शावी शर्मा (ळक्ब हीरानगर) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि राहुल ठाकुर (ळक्ब कठुआ) और नेहा चिब (ळक्ब महरीन) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

वकृत्व प्रतियोगिता में लक्ष्मी देवी (जीसीडब्ल्यू कठुआ) प्रथम, वंशिका (जीडीसीकठुआ) द्वितीय और रितेश डोबलिया (ळक्ब बसोहली) तृतीय स्थान पर रहे।

क्विज़ प्रतियोगिता में ळक्ब बसोहली की टीम ने बाजी मारी, जबकि ळक्ब बिलावर और ळक्ब कठुआ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

कार्यक्रम का संचालन विभिन्न संकाय सदस्यों ने किया।

अंत में आयोजन सचिव डॉ. यशपाल शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और युवाओं से गांधीजी के शांति, सत्य और अहिंसा के संदेश को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

हुसैन, कर्रा, मीर ने उरी में मतदाता अधिकार सम्मेलन को संबोधित किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव और जम्मू–कश्मीर प्रभारी डॉ. सैयद नसीर हुसैन ने जेकेपीसीसी के वरिष्ठ नेताओं के साथ उत्तरी कश्मीर के बारामूला ज़िले के चंद. नवारी (उरी) में मतदाता अधिकार सम्मेलन को संबोधित किया।

उन्होंने विभिन्न राज्यों में चुनावी धांधली के लिए चुनाव आयोग और भाजपा की मिलीभगत को ज़िम्मेदार ठहराया और वोट चोरी को देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला बताया।

उन्होंने लोगों को चुनाव आयोग के पूर्ण समर्थन और मदद से केंद्र की वर्तमान सरकार द्वारा उनके वोट की चोरी के प्रति आगाह किया।

जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक हम्मद कर्रा, एआईसीसी महासचिव और सीएलपी नेता जीए मीर, पूर्व मंत्री ताज मोही यू दीन, पूर्व मंत्री जीएम सरूरी, विधायक निज़ाम उद दीन भट, इरफान हफीज लोन, वरिष्ठ नेता एसएसचन्नी, अब रहीम राथर, अब्दुल गनी खान, निसार अहमद मंडू, आबिद कश्मीरी, इरफान नकीब, इकबाल मीर, फयाज मीर, अर्शीद तांत्रे, सुहैल बुखारी, बिलाल, भरत कुमार और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने मतदाता अधिकार सम्मेलन को संबोधित किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. नसीर हुसैन ने सत्ता में बने रहने के लिए विभिन्न राज्यों में चुनावी धांधली के लिए भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग और भाजपा की मिलीभगत से वोटों की चोरी का पर्दाफाश किया है। कांग्रेस पार्टी भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजा. `र करने के भाजपा के प्रयासों का पर्दाफाश करती रहेगी।

मैं लोगों से अपील करता हूँ कि वे इस अवसर पर आगे आकर अपने वोट सुरक्षित करें, जिन्हें चुनावों में भाजपा को लाभ पहुँचाने के लिए सुनियोजित तरीके से हटाया जा रहा है, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव ने कहा।

इस अवसर पर हुसैन ने जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने में हो रही देरी की आलोचना करते हुए इसे लोगों की आकांक्षाओं और हितों पर हमला बताया। यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि केंद्र उपराज्यपाल के माध्यम से सीधे राज्य पर शासन कर रहा है और चुनी हुई सरकार को शक्तिहीन बना रहा है।

उन्होंने (हुसैन ने) जम्मू–कश्मीर के दोनों क्षेत्रों में हाल ही में आई आपदा पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की तथा जान–माल के नुकसान के अलावा कश्मीर के बागवानी उद्योग को हुए भारी नुकसान को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और केंद्र से फल उद्योग, जो कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, को हुए नुकसान की भरपाई के लिए एक व्यापक वित्तीय पैकेज स्वीकृत करने का आग्रह किया।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव ने कहा कि उन्हें (हुसैन को) उरी के लोगों के धर्मनिरपेक्ष चरित्र पर गर्व है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि पार्टी तभी चल सकती है जब हमारे पास एक युवा और पितातुल्य व्यक्ति हो। हम वोट चोरी के ख़िलाफ़ लड़ रहे हैं और भाजपा के हर अलोकतांत्रिक कदम के ख़िलाफ़ अपनी अटूट लड़ाई जारी रखेंगे।

जेकेपीसीसी द्वारा शुरू किए गए हमारी रियासत हमारा हक कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए हुसैन ने कहा कि यह जम्मू–कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए जेकेपीसीसी की एक बड़ी पहल है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए, जेक. `पीसीसी अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने देश में लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए विपक्ष के नेता राहुल गांधी के अडिग संघर्ष की सराहना की, जिन पर भाजपा के केंद्र में सत्ता में आने के बाद से हमले हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है जो राष्ट्र और जन अधिकारों के विरोधी तत्वों से देश को बचा सकती है। चुनाव आयोग और भाजपा की मिलीभगत से चुनावों में धांधली लोगों के मताधिकार पर हमला है, जो असहनीय और अस्वीकार्य है।

कर्रा ने राष्ट्र के प्रति गांधी परिवार के बलिदानों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये गांधी ही थे जिन्होंने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अपना खून बहाया। उन्होंने आगे कहा कि पीडीपी–भाजपा के अपवित्र गठबंधन ने जम्मू–कश्मीर रियासत के पतन का कारण बना है। जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा करने के बावजूद, केंद्र जानबूझकर इस प्रक्रिया में देरी कर रहा है, जिसका उद्देश्य लोगों की आकांक्षाओं और आकांक्षाओं को और कमज़ोर करना और उनका अनादर करना है।

इस अवसर पर, जेकेपीसीसी अध्यक्ष ने पूर्व मंत्री ताज मोहिउद्दीन की जम्मू–कश्मीर, खासकर उरी निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के लिए उनके महान योगदान के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि उरी के समावेशी विकास में ताज साहब के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। उन्होंने उरी के लोगों को सशक्त बनाने और अपनी पूरी क्षमता से इस सीमावर्ती क्षेत्र के विकास के लिए अथक प्रयास किया।

जेकेपीसीसी अध्यक्ष ने उरी के लोगों के राष्ट्रवादी दृष्टिकोण की भी सराहना की और कहा कि वे हर परिस्थिति में देश के साथ खड़े रहते हैं।

सभा को संबोधित करते हुए, कांग्रेस विधायक दल के नेता और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव जी.ए.मीर ने कहा कि राहुल गांधी जनता के अधिकारा. `के लिए और भाजपा द्वारा लोकतंत्र और लोकतांत्रिक व्यवस्था को दी जा रही चुनौतियों से देश की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी चुप नहीं बैठेगी। हम मल्लिकार्जुन खड़गे और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में संघर्ष जारी रखेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि इस महान राष्ट्र की पहचान, लोकतंत्र की रक्षा हो।

जम्मू–कश्मीर का जिक्र करते हुए मीर ने कहा कि दोहरी सत्ता संरचना ने जनता के लिए भ्रम और कठिनाइयां पैदा कर दी हैं, एक तरफ एलजी का शासन है और दूसरी तरफ सीएम का, जिसके परिणामस्वरूप आम लोग हर मोर्चे पर लगातार पीड़ित हैं।

पीएचडीसीसीआई, एचआरएके ने आतिथ्य एवं संबद्ध उद्योगों के लिए तत्काल राहत उपायों की मांग की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसी सीआई), जम्मू क्षेत्र और होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन, कटरा (एचआरएके) ने आतिथ्य और संबद्ध क्षेत्रों को समर्थन देने के लिए तत्काल राहत उपायों के लिए जोरदार आग्रह किया, जो हाल की गड़बड़ी के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। इसी दिशा में पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष और एचआरएके के अध्यक्ष राकेश वजीर और एचआरएके के अध्यक्ष श्याम लाल केसर के एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू के क्षेत्रीय प्रमुख अनीता नेहरू और जम्मू के क्लस्टर प्रमुख अर्जुन सिंह राठौर की उपस्थिति में जम्मू के महाप्रबंधक और मंडल प्रमुख जम्मू अशोक गुप्ता से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने चल रही उथल–पुथल से प्रभावित उधारकर्ताओं के लिए पुनर्वास पैकेज –2025 की घोषणा करने के लिए जेएंडके बैंक का आभार व्यक्त किया, जिसे हाल की बैठकों में एचआरएके द्वारा बैंक के सामने पेश किया गया था। इस अवसर पर बोलते हुए, वज़ीर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पहलगाम हमले, भारत–पाक तनाव, लगातार बारिश के कारण लगातार भूस्खलन और श्री माता वैष्णो देवी जी, मचौल मंदिर और भारत के अन्य हिस्सों में हुई दुखद घटनाओं, जिनमें कई लोगों की जान चली गई, के बाद आतिथ्य और संबद्ध उद्योग अपने सबसे कठिन दौर से गुज़र रहे हैं। 22 दिनों से ज़्यादा समय तक यात्रा के लगातार स्थगित रहने से संकट और गहरा गया और स्थिति इतनी विकट हो गई कि व्यवसायों ने न केवल अपने ब्याज और ऋण की किश्तों का भुगतान करना बंद कर दिया।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

शारदीय नवरात्रें में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब जल संकट से बढ़ी परेशानी

प्रेम सागर

नगरी/कठुआ। शारदीय नवरात्रों की शुरुआत के साथ ही कठुआ और आसपास के माता मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। नगरी स्थित मां बाला सुंदरी जसरोटा काली माता मंदिर और शहर कठुआ के मुख्य बाजार के बीचों बीच बने माता के मंदिर में सप्ताह भर सुबह से लेकर देर रात तक लंबी लंबी कतारें देखने को मिली।

नगरी के मां बाला सुंदरी मंदिर में न केवल जम्मू कश्मीर बल्कि् पड़ोसी पंजाब क्षेत्र से भी भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। वहीं शहर कठुआ के बीचों बीच बने माता मंदिर में भी मुख्य बाजार में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार देखने को मिली।

इस दौरान नगरी मॉ बाला सुंदरी के पुजारी संजु पुरी ने श्रदालुओं के लिए बुनियादी सुविधाओं की कमी की ओर ध्यान दिलाते हुए जल शक्ति विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। पंड़ित ने बताय कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को पीने के पानी की भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है जबकि विभाग की ओर से कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

पुजारी ने जल शक्ति विभाग से अपील करते हुए कहा कि बड़ी संख्या में आने वाले भक्तों को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर और आसपास क्षेत्रों में पानी की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई जाए ताकि लोग निर्बाध रुप से मां बाला सुंदरी के दर्शन कर सकें और किसी तरह की परेशानी महसूस न करें।

मॉ बाला सुंदरी दरवार में खड़े श्रदालु
मॉ बाला सुंदरी नगरी का दरबार
पंड़ित संजु पूरी जानकारी

सीएम उमर ने पर्यटन हितधारकों द्वारा उनकी सरकार के प्रचार प्रयासों का समर्थन करने में विफल रहने पर नाराजगी व्यक्त की

सबका जम्मू कश्मीर

गुलमर्ग (जम्मू–कश्मीर) : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को जम्मू–कश्मीर के पर्यटन हितधारकों के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त की और उन पर उनकी सरकार के प्रचार प्रयासों का समर्थन करने में विफल रहने और राजनीतिक हमलों के सामने चुप रहने का आरोप लगाया।

गुलमर्ग कन्वोकेशन सेंटर में ट्रैवल एजेंटों की एक बंद कमरे में हुई बैठक को संबो. धित करते हुए अब्दुल्ला ने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि जब विपक्ष ने पर्यटन संबंधी मुद्दों पर आलोचना की तो कोई भी पक्ष उनके बचाव में आगे नहीं आया।

गुलमर्ग में अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन करने के बाद पर्यटन हितधारकों के समक्ष अपनी नाराजगी व्यक्त की। इस सेंटर से पर्यटन को बढ़ावा मिलने, श्बैठकों, प्रोत्साहनों, सम्मेलनों और प्रदर्शनियों (एमआईसीई)श गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और स्थानीय युवाओं और व्यवसायों के लिए नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। पहलगाम में साइकिलिंग महोत्सव जैसे कार्यक्रम शामिल हैं , लेकिन उन्हें लगता है कि राजनीतिक जांच के दौरान उन्हें पर्यटन हितधारकों से समर्थन नहीं मिला। मुख्यमंत्री ने 22 अप्रैल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद पहलगाम पर्यटन के लिए एक विशेष प्रचार कार्यक्रम शुरू किया था , जिसमें आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी, जिनमें मुख्य रूप से पर्यटक थे। कटरा , पहलगाम , सोनमर्ग , श्रीनगर और गुलमर्ग के पर्यटन स्थलों पर स्थित सभी होटलों के पट्टा समझौतों की शीघ्र ही जांच की जाएगी । सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री आधिकारिक आदेशों के ष्चुनिंदा लीकष् से भी परेशान दिखे। उन्होंने कहा कि वे प्रतिदिन अनेक निर्देशों पर हस्ताक्षर करते हैं, लेकिन उनमें से कुछ ही मीडिया और विपक्ष के सामने आ पाते हैं।

अब्दुल्ला ने पेरिस की अपनी निर्धारित यात्रा के दौरान हितधारकों की चुप्पी पर भी सवाल उठाया, जिसे ट्रैवल एजेंटों और अन्य हितधारकों ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान बताया था।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पारंपरिक रूप से पर्यटन और इससे संबद्ध व्यापारों पर काफी हद तक निर्भर रही है, और जब तक सार्वजनिक और निजी हितधारक मिलकर काम नहीं करेंगे, तब तक यह उद्योग अपनी खोई हुई जीवंतता को पुनः प्राप्त नहीं कर सकता।

मुख्यमंत्री ने हितधारकों की चुप्पी पर सवाल उठाया, जबकि उन्हें पता था कि वह या उनके सलाहकार नासिर असलम वानी पेरिस नहीं जा रहे हैं और जम्मू–कश्मीर का भी अधिकारियों और यात्रा संघों द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया।

जीते जी रक्तदान करें, मरते समय अंगदान करें : सत शर्मा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्म : भाजपा ओबीसी मोर्चा ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एसओटीटीओ), जम्मू और कश्मीर के सहयोग से भाजपा कार्यालय, कच्ची छावनी, जम्मू में अंगदान शिविर का आयोजन करके मानवीय तरीके से मनाया।

जम्मू–कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा (सीए) ने शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भाजपा उपाध्यक्ष प्रिया सेठी, जिला अध्यक्ष राजेश गुप्ता, भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष ब्रह्म ज्योत सत्ती, रविकांत, सुनीत रैना, केशव चोपड़ा आदि उपस्थित थे।

इलियास शर्मा (नोडल अधिकारी, एसओटीटीओ जम्मू–कश्मीर और विभागाध्यक्ष यूरोलॉजी एसएसएच, जीएमसी जम्मू), अंशु शर्मा (सलाहकार आईईसी/मीडिया, एसओटीटीओ जम्मू–कश्मीर), इरफान अहमद लोन (प्रत्यारोपण समन्वयक, एसओटीटीओ जम्मू–कश्मीर), निशा कुमारी (डेटा एंट्री ऑपरेटर, एसओटीटीओ जम्मू–कश्मीर), और सहायक कर्मचारी अशोक सिंह और अश्विनी कुमार (ड्राइवर) के नेतृत्व में एक समर्पित चिकित्सा दल ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। सेवा के एक उल्लेखनीय भाव में, चिकित्सा कर्मचारियों ने स्वयं अपने शरीर के अंग दान करने का संकल्प लिया। भाजपा ओबीसी मोर्चा के 75 ओबीसी कार्यकर्ताओं सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने शिविर के दौरान अपने शरीर के अंग दान करने का संकल्प लिया, जिससे यह जम्मू–कश्मीर में किसी भी राजनीतिक या सामाजिक संगठन द्वारा आयोजित अब तक का सबसे बड़ा अंग दान कार्यक्रम बन गया। इस अवसर पर बोलते हुए, सत शर्मा ने इस जीवन रक्षक पहल के आयोजन के लिए भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी से जीवित रहते हुए रक्तदान करने और मरते समय अंगदान करने का आग्रह किया। उन्होंने इसे समाज के लिए सबसे बड़ा योगदान बताया और अधिक से अधिक रक्तदाताओं का आह्वान किया जो प्रत्यारोपण की आवश्यकता वाले लोगों को नया जीवन दे सकें।

शर्मा ने कहा कि ऐसे नेक कार्य प्रधानमंत्री मोदी जी के सेवाभावी दृष्टिकोण का सच्चा प्रतिबिंब हैं।

उन्होंने समाज में अंगदान और नेत्रदान के प्रति अधिक जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भाजपा ओबीसी मोर्चा की यह पहल सभी वर्गों के नागरिकों को इस नेक कार्य में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करने में उत्प्रेरक का काम करेगी।

सत शर्मा ने आगे कहा, ष्मोदी जी एक प्रेरक नेता हैं जो देश के लिए प्रतिदिन 18 घंटे से भी ज़्यादा समय तक अथक परिश्रम करते हैं। इस विशेष अवसर पर, हम उनकी दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और राष्ट्र के निरंतर मार्गदर्शन की कामना करते हैं। प्रिया सेठी ने प्रधानमंत्री का जन्मदिन इतने नेक काम के साथ मनाने के लिए ओबीसी मोर्चा की सराहना की। उन्होंने कहा कि अंगदान समाज के प्रति की जाने वाली सर्वोच्च सेवा है, जो यह सुनिश्चित करती है कि हमारे जीवनकाल के बाद भी, हम दूसरों को आशा और जीवन देकर जीवित रहें। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा लोगों को सेवा पखवाड़ा के तहत सेवा–उन्मुख कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया है और अंगदान का विकल्प चुनकर भाजपा ओबीसी मोर्चा ने समाज के लिए एक मिसाल कायम की है।

श्रीनगर जम्मू-कश्मीर का हृदय स्थल है, इसका विकास जम्मू-कश्मीर के समग्र विकास को दर्शाता है : सकीना इटू

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने आज श्रीनगर ज़िले की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और ज़िले भर में चल रही विकास परियोजनाओं और अन्य कल्याणकारी पहलों की व्यापक समीक्षा की। बैठक में विधायक अली मोहम्मद सागर; मुबा. रक गुल; शमीम फिरदौस; सलमान अली सागर; तनवीर सादिक; मुश्ताक अहमद गुरु और शेख अहसान परदेसी; श्रीनगर के उपायुक्त अक्षय लाबरू; एसएमसी आयुक्त, एसकेआईएमएस निदेशक; विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और निदेशक तथा श्रीनगर ज़िला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ और ज़िला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान, मंत्री ने मिशन युवा, एचएडीपी, पीएम सूर्य घर, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम और अन्य जैसी प्रमुख योजनाओं के कार्यान्वयन की प्रगति के अलावा, प्रत्येक विभाग के प्रदर्शन का व्यापक मूल्यांकन किया। उन्होंने जिला कैपेक्स, एमपीलैड, सीडीएफ, एसएएससीआई, अमृत 2.0 और अन्य योजनाओं के तहत कार्यान्वित की जा रही विभिन्न परियोजनाआ. ें की भौतिक और वित्तीय प्रगति का भी मूल्यांकन किया। जिले भर में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे, ग्रामीण विकास, सड़क संपर्क, शिक्षा और पेयजल सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए, मंत्री ने अधिकारियों को परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया और जनता की शिकायतों के समाधान के लिए परिणाम–उन्मुख दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और आपातकालीन देखभाल सुविधाओं में सुधार के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपको निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधिकता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है।

ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांगलिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

जी एल डी एम कॉलेज हीरानगर में हिंदी दिवस और राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

सनी शर्मा

हीरानगर। शासकीय डिग्री कॉलेज हीरानगर में गुरुवार को हिंदी दिवस और राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अंतर–महाविद्यालय संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा खन्ना के देखरेख में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। स्वागत भाषण में प्रधानाचार्य डॉ.खन्ना ने कहा कि मातृभाषा हिंदी हमारी संस्कृति और विरासत की आत्मा है, जो विविधता में एकता का सूत्रधार है। साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस निस्वार्थ सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करता है।

मुख्य अतिथि माननीय विधायक एडवोकेट विजय कुमार शर्मा ने कहा कि हिंदी केवल भाषा नहीं बल्कि हमारी सांस्कृति पहचान है। वहीं, डॉ अरविंदर सिंह अमन ने बताया कि हिंदी ने परंपराओं को संरक्षित करते हुए आधुनिकता के साथ कदम मिलाया। डॉ. भरत भूषण शर्मा,मंत्री/संचालक,राष्ट्रभाषा प्रचार समिति जम्मू–कश्मीर ने कहा कि हिंदी हमारी सांस्कृति धड़कन है, जो परंपराओं और मूल्यों को`दर्शाती है।

इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों से आए दस प्रतिभागियों ने विषय "हिंदीः रोजगार ,तकनीक और भविष्य की भाषा" पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में ऋतिका शर्मा सांबा प्रथम, चिन्मय शर्मा द्वितय और कांशु देवी तृीतय स्थानपर रहीं।

निर्णायक मंडल में डॉ. राज जामवाल, डॉ बिदू चिब और तमन्ना और नेहा ने किया, जबकि मोहित शर्मा और दक्षिता शर्मा ने समग्र प्रभारी के रूप में योगदान दिया।

महबूबा और सज्जाद लोन को पूर्व हुर्रियत प्रमुख के परिवार से मिलने से रोकने के लिए एलजी प्रशासन की आलोचना की

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के नेता सज्जाद लोन को हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के पूर्व अध्यक्ष अब्दुल गनी के परिवार से मिलने से कथित तौर पर रोकने के लिए उपराज्यपाल प्रशासन की आलोचना की । भट्ट .

भट का लंबी बीमारी के बाद बुधवार शाम सोपोर स्थित उनके आवास पर निधन हो गया ।

महबूबा और लोन ने दावा किया कि उन्हें नजर. बंद कर दिया गया है और सोपोर में भट के परिवार से मिलने पर रोक लगा दी गई है । गुलमर्ग में संवाददाताओं से कहा , ष्वे वहां संवेदना व्यक्त करने जा रहे थे। क्या कश्मीर में सुरक्षा बल इतने चिंतित हैं कि वे हमें संवेदना व्यक्त करने की अनुमति नहीं देंगे?ष

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोपोर में उनके दौरे से कोई बवाल नहीं मचता।

उन्होंने कहा, ष्एक तरफ हम कहते हैं कि सब कुछ ठीक है, स्थिति बहुत अच्छी है और एक नया जम्मू–कश्मीर स्थापित हो गया है, लेकिन हमें अपने ही लोगों पर भरोसा नहीं है। अगर मुफ्ती या लोन वहां गए होते तो क्या होता? इससे कोई बवाल नहीं मचता, वे वहां जाकर संवेदना व्यक्त करते, प्रार्थना करते, भट के परिवार से कुछ बातें करते और वापस लौट जाते।

मुख्यमंत्री ने कहा, ष्यह जम्मू–कश्मीर के लिए सही बात नहीं है।ष

पहलगाम हमले के बाद कई पर्यटन स्थलों को पर्यटकों के लिए बंद रखे जाने के बारे में पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय श्अजीबश है।

उन्होंने कहा, (उन्हें फिर से खोलने के लिए) बहुत पहले ही कदम उठाए जाने चाहिए थे। यह बहुत अजीब है कि एक तरफ हम बाहर जाते हैं और पर्यटकों को यहां लाने की बात करते हैं, लेकिन दूसरी तरफ सरकार ने कई गंतव्यों को बंद रखा है।

अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा चलाया जा रहा पर्यटन प्रोत्साहन अभियान तब तक सफल नहीं होगा जब तक घाटी के लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर्यटकों के लिए पूरी तरह से नहीं खुल जाते।

उन्होंने कहा, ष्हमें पर्यटन को बढ़ावा देना बंद करने को कहें...फिर सरकार को हितधारकों को मुआवज़ा देने दें। वे दुनिया भर में कह रहे हैं कि कश्मीर में सब कुछ सामान्य है। लेकिन यह सामान्य स्थिति का क्या सबूत हैं? पहलगाम में जो हुआ , वह नहीं होना चाहिए था। लेकिन उसके बाद कदम उठाए गए।ष

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब उन सभी स्थलों को पुनः खोलने का समय आ गया है।

Helpline

पुलिस स्टेशन

बाग–ए–बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778

सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ

इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज्	2453999
सिटी ऑफिस	2573399

रेलवे

रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315

पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन

बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537

दूरसंचार विभाग

डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896

जम्मू नगर पालिका

जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440

डाक सेवाएँ

मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863

अग्निशमन सेवाएँ

नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026

रसोई गैस डीलर

चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455

पावर हाउस

गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776
परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813

अस्पताल	
जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739

नर्सिंग होम

मददन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चौरिटेबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्धवीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटेबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

भाजपा नीत केंद्र सरकार ने लोगों को निराश किया, कांग्रेस बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है : भल्ला

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जेकेपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला ने रविवार को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर जम्मू में चल रही बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन की समस्या के प्रति ष्घोर पक्षपातष् दिखाने का आरोप लगाया। पूर्व मंत्री ने यह बात भौर कैंप के वार्ड–73 में बाढ़ पीड़ित परिवारों के बीच राहत सामग्री वितरित करने के बाद कही। भल्ला के साथ मौजूद प्रमुख लोगों में अमृत बाली, पवन भगत, गुरचरण, हरबंस लाल, राजिंदर रंधावा, गगनद. ीप सिंह रंधावा शामिल थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, भल्ला ने कहा कि जम्मू में तबाही बहुत भयंकर हुई है, जिसमें लोगों की जान चली गई, घर नष्ट हो गए, सड़कें और पुल बह गए और कई इलाके कट गए। फिर भी, उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की प्रतिक्रिया उदासीन रही है। भल्ला ने आरोप लगाया कि जहां प्रधानमंत्री और उनकी सरकार अपने मंत्रिमंडल और स्थानीय विधायकों के साथ बिहार में ष्अतिसक्रियष् हैं, वहीं गृह मंत्री और रक्षा मंत्री ने केवल थोड़े समय के लिए जम्मू का दौरा किया, सबसे अधिक प्रभावित अंदरूनी इलाकों को छोड़ दिया। उन्होंने बताया कि काफी समय बीत जाने के बाद भी, जम्मू शहर के कुछ हिस्सों में पेयजल आपूर्ति बहाल नहीं हुई है, जबकि ग्रामीण इलाके उपेक्षित हैं। भल्ला ने आगे दावा किया कि केंद्र सरकार ने अंतर–मंत्रालयी केंद्रीय टीमों के दौरे के दौरान और यहां तक कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रभावित इलाक. ों के दौरे के दौरान भी जम्मू को दरकिनार कर दिया। शासन को ष्पक्षपातपूर्ण और अस्वीकार्यष् बताते हुए, भल्ला ने राहत तंत्र में आमूल–चूल परिवर्तन, प्रभावित क्षेत्रों में मंत्रियों की तैनाती और जनता की शिकायतों के तत्काल निवारण की मांग की। भल्ला ने कहा कि भाजपा को दोषारोपण में उलझने के बजाय, इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा, ष्उँगलियाँ उठाने से यह बात नहीं छिप जाएगी कि भाजपा कार्रवाई से गायब रही है। उनका नेतृत्व उस समय गायब हो गया जब लोगों को उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी।ष् भाजपा के शासन के रिकॉर्ड पर, भल्ला ने कहा, ष्एक दशक तक केंद्र में शासन करने और जम्मू–कश्मीर पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण रखने के बाद, उनके पास दिखाने के लिए क्या है? डूबती सड़कें, टूटा हुआ बुनियादी ढाँचा, और उनके तथाकथित श्स्मार्ट सिटीश प्रोजेक्ट के तहत डूबा हुआ शहर। भाजपा के दस साल के शासन के बाद भी जम्मू और श्रीनगर इतने असुरक्षित क्यों हैं? सारे वादों, परियोजनाओं और पैकेजों का क्या हुआ?ष् भाजपा सरकार पर बाढ़ प्रभावित इलाक. ों का केवल हवाई सर्वेक्षण करके ष्बाढ़ पर्यटनष् में लिप्त होने का आरोप लगाते हुए, भल्ला ने कहा कि लाखों लोगों को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है। राहत के बजाय, सरकार केवल खोखले आश्वासन दे रही है। भल्ला ने कहा, ष्लोग और पशुधन बिना भोजन, पेयजल, दवाओं और पशुओं के चारे के गांवों और शहरों के दूरदराज के इलाकों में फंसे हुए हैं।ष् उन्होंने दावा किया, ष्राज्य सरकार से किसी भी राहत के अभाव में लोग जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।ष् भाजपा की असंवेदनशीलता करार दिए जाने पर आपत्ति जताते हुए, भल्ला ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की हाल ही में संपन्न जम्मू यात्रा लोगों के लिए निराशा में समाप्त हुई। उन्होंने कहा, ष्राहत के रूप में केवल 209 करोड़ रुपये की घोषणा न केवल अपर्याप्त है, बल्कि बारिश से प्रभावित जम्मू के कष्टों का अपमान है। इस मामूली राशि ने जम्मूवासियों को निराश कर दिया है, खासकर जब लगातार बारिश और बाढ़ से हुए भारी नुकसान और भारी नुकसान को देखते हुए देखा जाए।ष् भल्ला ने याद दिलाया कि जम्मू की जनता ने 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाजपा को भारी जनादेश देकर उसमें अपना विश्वास जताया था, लेकिन शाह के दौरे का नतीजा ष्विश्वासघात से कम नहींष् था। उन्होंने आगे कहा, ष्लोगों को एक बड़े राहत पैकेज की उम्मीद थी, लेकिन इसके बजाय उन्हें नाममात्र का पैकेज दिया गया है। इस उदास. ीनता ने जनभावनाओं को गहरी ठेस पहुँचाई है।ष् प्रभावित परिवारों के साथ कांग्रेस की एकजुटता व्यक्त करते हुए, भल्ला ने आश्वासन दिया कि पार्टी उनकी चिंताओं को उजागर करने और सरकार पर पर्याप्त राहत, पुनर्वास और दीर्घकालिक निवारक उपायों के लिए दबाव बनाने में सबसे आगे रहेगी।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से भाजपा सांसदों और विधायकों की अनुपस्थिति पर सवाल उठाते हुए, भल्ला ने कांग्रेस प्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ष्कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं और बचाव और राहत कार्यों में भाग ले रहे हैं। यह कोई उपकार नहीं बल्कि समाज के प्रति हमारा कर्तव्य है।ष् उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लगातार सरकार के साथ जनता की चिंताओं को उठाया है और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय करके त्वरित राहत उपाय सुनिश्चित किए हैं। हालांकि, भल्ला ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की गंभीरता की कमी और अपर्याप्त प्रतिक्रिया के लिए कड़ी आलोचना की।

एजेबीआरसीईएके प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की

सबका जम्मू कश्मीर

ऑल जम्मू बेस्ड रिजर्व्ड कैटेगरी एम्प्लॉइज एसोसिएशन कश्मीर (।श्रठत्ब्म्।ज्ञ) के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने आज श्रीनगर स्थित सिविल सचिवालय में माननीय मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। अध्यक्ष विपेन कुमार के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कई प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डाला, जिनमें एक व्यापक स्थानांतरण नीति की तत्काल अधिसूचना और पदोन्नति में आरक्षण की बहाली पर विशेष ध्यान दिया गया।

इस बैठक ने एसोसिएशन को कश्मीर संभाग में कार्यरत जम्मू स्थित आरक्षित श्रेणी के हज़ारों कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित शिकायतों को मुखर रूप से प्रस्तुत करने का एक मंच प्रदान किया। प्रतिनिधिमंडल ने ज़ोर देकर कहा कि ये माँगें केवल प्रशासनिक नहीं हैं, बल्कि प्रभावित कर्मचारियों की भावनाओं से भी गहराई से जुड़ी हैं, जो लंबे समय से स्थानांतरण के लिए एक पारदर्शी और सहानुभूतिपूर्ण ढाँचे की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

अपने आरंभिक भाषण में, अध्यक्ष विपेन कुमार ने मुख्यमंत्री को इन कर्मचारियों के लिए एक निश्चित स्थानांतरण नीति बनाने की सरकार की पूर्व प्रतिबद्धता की याद दिलाई। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस नीति की अधिसूचना, जिसके लिए एक सशक्त समिति पहले ही गठित की जा चुकी है, कर्मचारियों को महत्वपूर्ण राहत प्रदान करेगी और वर्षों से चली आ रही अनिश्चितता और कठिनाई का अंत करेगी। एसोसिएशन ने इस महत्वपूर्ण माँग के शीघ्र समाधान हेतु एक त्वरित प्रक्रिया की माँग की। स्थानांतरण नीति के अलावा, प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों के लिए पदोन्नति में आरक्षण की बहाली पर भी ज़ोरदार दबाव डाला। विपेन कुमार ने आरक्षण नियमों के मूल सिद्धांत को दोहराते हुए कहा कि ये नियम हाशिए पर पड़े समुदायों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए हैं। उन्होंने सरकार से जनादेश का सम्मान करने और पदोन्नति में आरक्षण लागू करने के लिए तुरंत कार्रवाई करने का आग्रह किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आरक्षण का लाभ करियर में उन्नति तक भी पहुँचे।

प्रतिनिधिमंडल की बात ध्यान से सुनने के बाद, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उन्हें उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के आश्वासन का सकारात्मक स्वागत किया और अपने लंबे समय से लंबित मुद्दों के त्वरित और प्रभावी समाधान की आशा व्यक्त की।

मुख्यमंत्री से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में एसोसिएशन के कई प्रमुख सदस्य शामिल थेरू एजेबीआरसीईएके के महासचिव यशपाल भगत; एजेबीआरसीईएके श्रीनगर के जिला अध्यक्ष श्री शशि गौतम; गंदेरबल के जिला अध्यक्ष नवीन कुमार; बांदीपोरा के जिला अध्यक्ष दीपक कुमार; और एसोसिएशन के कानूनी सलाहकार ललित कुमार।

जम्मू–कश्मीर शिक्षक मंच ने टीईटी मुद्दे पर बैठक की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू और कश्मीर शिक्षक मंच (जेकेटीएफ) ने आज देश भर के सेवारत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य करने के सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले पर चर्चा के लिए एक तत्काल वर्चुअल बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद अशरफ शेख ने की और इसमें जम्मू संभाग के वरिष्ठ नेताओं, प्रांतीय प्रति. निधियों और जिला अध्यक्षों ने भाग लिया।

नेतृत्व ने इस फैसले के पूर्वव्यापी क्रियान्वयन पर गहरी चिंता और आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि जम्मू–कश्मीर में शिक्षकों की नियुक्ति वर्षों पहले सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) जैसी संवैधानिक संस्थाओं द्वारा पारदर्शी भर्ती प्रक्रियाओं के माध्यम से की गई थी, उस समय जब शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) और टीईटी की आवश्यकताएं इस क्षेत्र में लागू नहीं थीं। दशकों की सेवा के बाद अब टीईटी लागू करना अन्यायपूर्ण है और उन शिक्षकों को दंडित करने के समान है जिन्होंने पहले ही अपना जीवन शिक्षा के लिए समर्पित कर दिया है।

नेतृत्व ने माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा, माननीय मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, माननीय शिक्षा मंत्री सकीना इटू और योग्य मुख्य सचिव अटल डुल्लू (आईएएस) से अपील की कि वे तत्काल समीक्षा याचिका या किसी अन्य कानूनी उपाय के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएं। फोरम ने विशेष रूप से माननीय मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला साहब से अनुरोध किया कि वे इस मामले को माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री के साथ उठाएं और जम्मू–कश्मीर के सेवारत शिक्षकों के लिए अनिवार्य टीईटी आवश्यकता से छूट की मांग करें।

शिक्षकों की सामाजिक–आर्थिक कठिनाइयों पर प्रकाश डालते हुए, फोरम ने सरकार को याद दिलाया कि शिक्षक पहले से ही कई ज़िम्मेदारियों के बोझ तले दबे हुए हैंकृअपने परिवारों का भरण–पोषण करना, अपने बच्चों को पढ़ाना, बेटियों की शादी कराना, बूढ़े माता–पिता की देखभाल करना और बैंक ऋण चुकाना। उन्होंने चेतावनी दी कि उनकी सेवा सुरक्षा पर कोई भी अनिश्चितता या ख़तरा उन्हें संकट में डाल देगा और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में लाखों छात्रों की शिक्षा पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा। जेकेटीएफ ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि सभी शिक्षक संगठनों के बीच एकता समय की माँग है। उन्होंने कहा कि एकजुट आवाज़ ही शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा का एकमात्र रास्ता है। सभी शिक्षकों से अनुशासित, सतर्क और नेतृत्व के किसी भी आह्वान पर प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहने का आग्रह किया गया। अपने संबोधन में, प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद अशरफ शेख ने कहारू ष्यह केवल एक कानूनी लड़ाई ही नहीं, बल्कि सम्मान और अस्तित्व की लड़ाई भी है। एकता ही हमारा एकमात्र बचाव है। मैं सभी शिक्षकों और संगठनों से अपील करता हूँ कि वे मतभेदों से ऊपर उठकर न्याय के लिए एकजुट हों।ष्

उनके आह्वान को प्रतिभागियों ने जोरदार समर्थन दिया, जिन्होंने आंदोलन में पूर्ण सहयोग का वादा किया। बैठक में रफाकीत हुसैन मलिक (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), मोहम्मद महरूफ (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), महमूद उल रेयाज (उपाध्यक्ष), नीतन कल्याण (उपाध्यक्ष), लोकेश शर्मा (मुख्य संयोजक), रमन शर्मा (यूटी सचिव), जोगिंदर सिंह (प्रवक्ता), मुर्तजा खान (मीडिया सचिव), जलील अहमद (प्रेस और) सहित कई नेताओं ने भाग लिया।

बीच में अहंकार आ रहा है; दुनिया को भारत से सीखना चाहिए कि संघर्ष कैसे शुरू करें और कैसे समाप्त करें : वायुसेना प्रमुख

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली, : वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया को भारत से यह सबक सीखना होगा कि किसी भी संघर्ष को कैसे शुरू किया जाए और यथाशीघ्र उसे कैसे समाप्त किया जाए। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत द्वारा निर्धारित स्पष्ट लक्ष्यों को रेखांकित किया।

एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में एयर चीफ मार्शल ने कहा कि सेना को ऑपरेशन के लिए पूरी स्वतंत्रता दी गई थी और राजनीतिक नेतृत्व द्वारा उस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया था।

उन्होंने कहा कि 7–10 मई को पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष के दौरान वायु शक्ति की प्रधानता प्रदर्शित हुई थी। उन्होंने कहा कि एस–400 मिसाइल प्रणाली एक गेम–चेंजर साबित हुई है, क्योंकि इस हथियार की रेंज और शक्ति को देखते हुए दुश्मन घबरा गया था।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के कई सैन्य अड्डे क्षतिग्रस्त हो गये।

उन्होंने कहा, ष्उनके बुनियादी ढांचे, रडार, नियंत्रण और समन्वय केंद्र, उनके हैंगर, विमान को बहुत नुकसान पहुंचा है।ष्

भारतीय वायु सेना प्रमुख ने 2019 के बालाकोट हवाई हमलों की प्रभावशीलता का सबूत मांगने वालों पर भी निशाना साधा, क्योंकि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को हुए नुकसान का कुछ ग्राफिक विवरण दिखाया।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि विश्व भर में लम्बे समय तक चलने वाले अनेक युद्धों की पृष्ठभूमि में संघर्ष समाप्ति इस अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू था।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

कटरा में श्राइन बोर्ड ने सेवा पर्व पर चलाया स्वच्छता अभियान

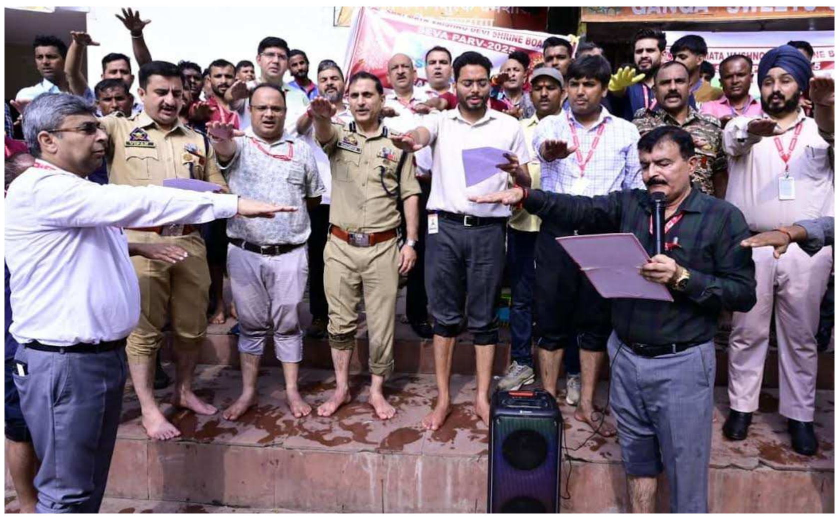

रोहित शर्मा

कटरा। सेवा पर्व के अंतर्गत श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड और जिला प्रशासन द्वारा शुक्रवार को बाणगंगा में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

इस दौरान पवित्र बाणगंगा नदी की सफाई की गई।

श्राइन बोर्ड के सीईओ सचिन कुमार ने कहा कि बााणगंगा नदी श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ी है और इसमें किसी भी प्रकार का प्रदूषण नही होना चाहिए।

उन्होंने यात्रा मार्ग और पवित्र नगर में स्वच्छता बनाए रखने की अपील की।

साथ ही श्राइन बोर्ड की ओर से स्थायी स्वच्छता सस्कृति को बढ़ावा देने और स्वच्छ भारत मिशन की सफलता में योगदान देने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने जानकारी दी कि श्राइन बोर्ड उन्नत तकनीक का उपयोग करते हुए ड्रोन आधारित वनीकरण पहल से त्रिकुटा पहाड़ियों पर ग्रीन कवर बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रहा है।

इस मौके पर अतिरिक्त सीईओ आलोक कुमार मौर्य, जॉइन सीईओ सतीश शर्मा, एसएसपी रियासी परमवीर सिंह, एसडीएम कटरा पीयूष धोत्र, एसपी कटरा विपिन चंद्रन, सहायक सीईओ ध्रुव कुमार, वन विभाग अधिकारी विनय खजुरिया सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

नगरी में रामलीला मंचन ने बांधा समा, भगवान राम के चरित्र चित्रण ने दर्शकों को किया भाव विभोर

सबका जम्मू कश्मीर

नगरी। नगरी कस्बे में शारदीय नवरात्रों के अवसर पर श्री राम नाटक सभा की ओर से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का मंचन किया गया। सोमवार से शुरु हुई रामलीला मंचन में भगवान राम के आदर्श और संघर्षों को जीवंत रुप में प्रस्तुत किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

रामायण के विभिन्न प्रसंगों को मंच पर प्रस्तुत करते हुए कलाकारों ने भगवान राम के धनुष तोड़कर माता सीता से विवाह रचने, भगवान परशुराम के साथ संवाद, रावण का क्रोधित होकर जनक को चेतावनी देना, और अंतत माता कैकेयी द्वारा अपने दो वचनों के चलते श्रीराम को 14 वर्षों के वनवास पर भेजे जाने का चित्रण किया। दर्शकों ने इन दृश्यों को बड़ी उत्सुकता और श्रद्धा के साथ देखा।

सभा के दौरान नगरी श्रीरामा नाटक सभा के प्रधान गोलू, चौयरमैंन हैप्पी शर्मा, डायरेक्टर दत्ता, वर्किंग कमेटी के प्रधान आशु मेंहता ने लोगो का आभार व्यकत करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को भगवान राम से कुछ सीख लेनी चाहिए साथ में नशा छोड़कर समाज व परिवार के लिए कार्य करना चाहिए ताकि समाज को बेहतर बना सकें।

कमेटी सदस्यों आगे बात करते हुए कहा कि हमारा प्रयास भी नगरी के युवाओं को सही मार्ग पर ले जाने का प्रयास हैं।

वाईआरएस ने महाराजा हरि सिंह की प्रतिमा को धोया और साफ किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : युवा राजपूत सभा (वाईआरएस) द्वारा जम्मू–कश्मीर, लेह लद्दाख और तिब्बत देश के अंतिम डोगरा शासक महाराजा हरि सिंह जी की 130वीं जयंती पर 23 सितंबर को आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम से पहले, वाईआरएस सदस्यों ने मुख्य तवी बिक्रम चौक पुल के पास स्थित महाराजा हरि सिंह जी की प्रतिमा को पंच रत्न से स्नान कराकर साफ किया।

आज के कार्यक्रम में वाईआरएस अध्यक्ष संजीव सिंह रिंकू, पूर्व अध्यक्ष विक्रम सिंह विक्की, कोर कमेटी के सदस्य सुरिंदर सिंह गिल्ली, राजवीर सिंह, राजन सिंह हैप्पी, रा. जंदर सिंह, रणजीत सिंह, राजेश सिंह, सहित कई वरिष्ठ सदस्य और राज्य निकाय के सदस्य मौजूद रहे। उन्होंने मिलकर प्रतिमा को जल और पंच रत्न से धोया। उन्होंने 23 सितंबर को महाराजा हरि सिंह जी की 130वीं जयंती के अवसर पर होने वाले सभी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी भी दी।

मीडिया को संबोधित करते हुए संजीव सिंह ने कहा, ष्यह हमारे लिए बहुत गर्व और उत्साह का क्षण है कि वाईआरएस और डोगरा समुदाय के कठिन संघर्ष के माध्यम से महारा. जा हरि सिंह जी को सम्मान मिल पाया।ष् महाराजा हरि सिंह की जयंती पर अवकाश घोषित किया गया था और आज हम सभी इस दिन को बहुत खुशी और उल्लास के साथ मना रहे हैं। संजीव सिंह ने यह भी कहा कि इस ऐतिहासिक दिन पर अवकाश की घोषणा राजपूत और डोगरा समुदाय की एकता का प्रतीक है और हम सभी को एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए, ताकि हम अपने अधिकारों को प्राप्त कर सकें और एक उज्ज्वल भविष्य बना सकें।

महाराजा हरि सिंह की जयंती, 23 सितंबर को होने वाले कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताते हुए, उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों को बताया कि 22 सितंबर को रात 8रू00 बजे से 12रू30 बजे तक डोगरा सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। जम्मू के प्रसिद्ध डोगरा कलाकार डोगराओं के गौरवशाली इतिहास और महाराजा हरि सिंह के योगदान के बारे में बताएंगे और डोगरी गीत–संगीत भी प्रस्तुत करेंगे, जिससे यह एक ऐतिहासिक और यादगार कार्यक्रम बन जाएगा। 23 सितंबर को, वाईआरएस एमडी रिजॉर्ट केरन बनतालाब से सुबह 10 बजे शुरू होकर, शहर से बड़े उत्साह और खुशी के साथ गुजरते हुए, महारा. जा हरि सिंह की प्रतिमा तक एक भव्य रैली का आयोजन करेगा। विक्रम चौक ब्रिज पर इसका समापन होगा और महाराजा साहब को उनकी 130वीं जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि भी दी जाएगी। टीम वाईआरएस ने जम्मू–कश्मीर के सभी लोगों को भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है और कहा है कि सभी को महाराजा हरि सिंह जी को श्रद्धांजलि देने के लिए

जम्मू पुलिस ने सैनिक कॉलोनी गोलीबारी मामले में एफआईआर दर्ज की, जिसे सड़क दुर्घटना बताया गया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू पुलिस ने गुरुवार को सैनिक कॉलोनी में पिछले महीने हुई गोलीबारी की घटना के संबंध में एक औपचारिक मामला दर्ज किया, जिसे शुरू में सड़क यातायात दुर्घटना (आरटीए) बताया गया था।

जांच के दौरान यह बात सामने आने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई कि तीनों महिलाओं को लगी चोटें दुर्घटना के कारण नहीं, बल्कि लक्षित गोलीबारी के कारण थीं।

अधिकारियों के अनुसार, तीन महिलाएं – मेहजबीन अकील शेख (30), अकील शेख की बेटी, पश्चिम मलाड, मुंबई की निवासी; उसकी बहन फातिमा अखिल (21); और जसप्रीत कौर (28), लुधियाना, पंजाब की निवासी – मकान नंबर 157, सेक्टर ए, सैनिक कॉलोनी, जम्मू में किराए के मकान में रह रही थीं।

21 अगस्त, 2025 को, कथित तौर पर, महिलाओं को एक सड़क दुर्घटना का शिकार बताकर जेके मेडिसिटी अस्पताल ले जाया गया। बाद में उन्हें एएसएसीओएमएस बत्रा अस्पताल ले जाया गया और फिर जीएमसी जम्मू रेफर कर दिया गया, जहाँ मेहजबीन ने दम तोड़ दिया।

चन्नी पुलिस स्टेशन में एक जाँच कार्यवाही (डीडी संख्या 29 दिनांक 30/08/2025) शुरू की गई। हालाँकि, जाँच के दौरान, पुलिस को पता चला कि तीनों महिलाएँ वास्तव में अपने किराए के मकान में गोलीबारी की चपेट में आ गई थीं, जब एक अज्ञात व्यक्ति ने उन पर गोली चलाई और फिर मौके से भाग गया।

पुलिस सूत्रों ने बताया, ष्पायल व्यक्तियों द्वारा इस घटना को जानबूझकर छुपाया गया और इसे सड़क दुर्घटना के रूप में पेश किया गया।ष्

खुलासे का संज्ञान लेते हुए, अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 (1), 109 और 332 (बी) के तहत एफआईआर संख्या 152/2025 दर्ज की गई है।

पुलिस ने अपराधी की पहचान करने और उसे पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी है तथा आगे की जांच जारी है।

पहलगाम हमला : विशेष अदालत ने जांच की अवधि और आरोपी की हिरासत बढ़ाई

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू की एक विशेष एनआईए अदालत ने अप्रैल में हुए घातक पहलगाम आतंकवादी हमले में शामिल पाकिस्तानी आतंकवादियों को कथित रूप से शरण देने के आरोप में गिरफ्तार दो आरोपियों की हिरासत अवधि निर्धारित 90 दिन से 45 दिन आगे बढ़ा दी है।

विशेष एनआईए न्यायाधीश संदीप गंडोत्रा ने 18 सितंबर को पहलगाम के बैसरन निवासी बशीर अहमद जोथत और पहलगाम के बटकोट निवासी परवेज अहमद की जांच और रिमांड अवधि बढ़ा दी।

अदालत ने आरोपों, जांच की प्रगति और लंबित फोरेंसिक और डीएनए प्रोफाइलिंग रिपोर्ट के मद्देनजर रिमांड और जांच के विस्तार के पक्ष में प्रथम दृष्टया मामला माना।

आदेश में कहा गया है, ष्तदनुसार, आरोपी बशीर अहमद जोथत और परवेज अहमद के पक्ष में मामले की जांच के लिए जांच अधिकारी को 90 दिनों की अवधि से आगे 45 दिनों की अवधि का विस्तार दिया जाता है, साथ ही मामले की जांच जल्द से जल्द पूरी करने का निर्देश दिया जाता है। अदालत ने जाँच अधिकारी को जल्द से जल्द जाँच पूरी करने का निर्देश दिया। दोनों आरोपियों की जाँच के लिए 90 दिन की रिमांड और 10 दिन की न्यायिक रिमांड की अवधि शुक्रवार को समाप्त होने वाली थी।

अधिकारियों ने बताया कि पहले की रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद परवेज अहमद जोथात और बशीर अहमद जोथात को 18 सितंबर को वर्चुअल माध्यम से अदालत में पेश किया गया, जिसने उनकी जांच और रिमांड की अवधि बढ़ा दी, ताकि एनआईए अपनी जांच कर सके।

डॉ नसीब सिंह मन्हास को एन डी एस ने किया सम्मानित, डोगरी रामायण माला और 'डुग्गर टॉकी' चौनल का शुभारंभ

हरप्रीत सिंह

जम्मू। अभिनव थिएटर में आयोजित ऐतिहा. सिक अवसर पर डोगरी भाषा साहित्य और संगीत के इतिहास में पहली बार ''डोगरी रामायण माला–108 चौपाई'' का वीडियो और पाठ विमोचन किया गया।

यह कृति प्रसिद्ध डोगरी लेखक, कलाकार और फिल्म निर्माता डॉ. नसीब सिंह मन्हास द्वारा लिखित, गाई और निर्मित की गई है।

इस मौके पर डॉ. मन्हास के स्वामित्व वाले यूट्यूब चौनल ''डुग्गर टॉकी'' का भी शुभारंभ किया गया, जो डूंगरी कला, संस्कृति, भाषा और डोंगरे की विरासत को समर्पित है।

डोगराओं की कला, संस्कृति और भाषा के प्रचार–प्रसार में उनके योगदान को देखते हुए नामी डोगरी संस्था ने डॉ.नसीब सिंह मन्हास को सम्मानित किया।

संस्था की ओर से उन्हें माता की चुनरी और गुलदस्ता भेंट किया गया और डोगरी भाषा के उत्थान में उनके कार्य की सफलता के लिए प्रार्थना की गई।

कार्य में प्रों अनुपमा शर्मा संरक्षक,एनडीएस, एडवोकेट डोगरा हरीश कैला अध्यक्ष, नरिंदर सिंह चिब आजीवन सदस्य, रणधीर सिंह रायपुरिया, रवि शर्मा, कमल शर्मा और मीना मन्हास सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

जीसीडब्ल्यू, उधमपुर ने महात्मा गांधी के जीवन और दर्शन पर नोत्तरी-प्रतियोगिता का आयोजन किया)

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : राजकीय महिला महाविद्यालय (जीसीडब्ल्यू), उधमपुर के राजनी. ति विज्ञान विभाग ने आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में डीन छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) के सहयोग से कॉलेज परिसर में गांधी जयंती–2025 के उपलक्ष्य में "महात्मा गांधी का जीवन और दर्शन" विषय पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज की प्राचार्य डॉ. नलिनी पठानिया के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। डॉ. नलिनी पठानिया ने इस तरह के प्रेरक कार्यक्रम के आयोजन के लिए राजनीति विज्ञान विभाग को बधाई दी। उन्होंने हमारे राष्ट्रीय नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन और महान दर्शन को जानने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रश्ना. `त्तरी प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं को महात्मा गांधी के जीवन वृत्त और दर्शन से परिचित कराना था, जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और वीरतापूर्ण भूमिका निभाई है। प्रतिभागियों को तीन टीमों में विभाजित किया गया थारू टीम–ए, टीम–बी और टीम–सी। विजेता टीम का चयन करने के लिए कुल तीन राउंड हुए। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक इस आयोजन में भाग लिया। प्रथम, तृतीय और पंचम सेमेस्टर के कुल 9 विद्यार्थियों ने क्विज़ प्रतियोगिता में भाग लिया। टीम–ए को विजेता घोषित किया गया, जिसमें महक कटोच, आयुषी गुप्ता और अनन्या शर्मा शामिल थीं। विजेता टीम के सदस्यों को इस तरह के आयोजनों में आगे भाग लेने के लिए प्रेरित करने के लिए पुरस्कार वितरित किए गए।

लेह में हुई हिंसा की निंदा करते हुए यह मांग की जाती है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाए।

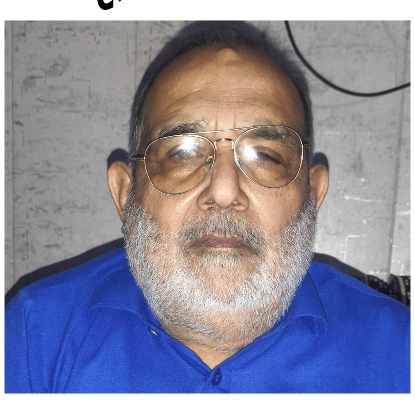

आई. डी. खजूरिया

जम्मू। लद्दाख की जनता ने अपनी की हुई गलती को पहचान लिया है और उसे सुधारने के लिए अब कमर कस ली है। जनवादी व्यवस्था के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है और अपने अधिकार पाने की चेतना आई है। बस आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन अनुशासित और हमेशा शांतिपूर्ण बना रहे। अन्यथा आंदोलन को असफल करने के लिए सरकारी तंत्र योजनाबद्ध तरीके से आपकी शक्ति को कमजोर कर सकता है और आंदोलन को विफल किया जा सकता है। 5 अगस्त 2019 को जब जम्मू–कश्मीर राज्य का विशेष दर्जा समाप्त कर दिया गया, तब हालात बेहद कठिन थे। संचार सेवाएं बंद थीं, परिवहन ठप था, शहर और गांवों में सन्नाटा छाया था, कर्फ्यू लगा हुआ था। उसी दौरान राज्य को समाप्त कर उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में बाँट दिया गयाकृएक का नाम जम्मू–कश्मीर और दूसरे का नाम लद्दाख रखा गया। जनता को यह आश्वासन दिया गया था कि बहुत जल्दी राज्य का दर्जा वापस दिया जाएगा और नागरिकों के अधिकार भी सुरक्षित रखे जाएंगे।

जम्मू और लद्दाख में कुछ लोगों ने उस समय मिठाइयां बांटकर खुशियां मनाई थीं। लेकिन जब नौकरियां नहीं मिलीं, जमीनें छीनी गईं, प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण छिन गया और प्रशासन ने जनता की ओर ध्यान नहीं दियाकृतब अब पछतावा हो रहा है। गुस्सा भी है और नई पीढ़ी इस लड़ाई को संभाल रही है। यही कारण है कि लद्दाख में हिंसा जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जो नहीं होनी चाहिए।

लोक एकता बनाए रखनी चाहिए, आंदोलन शांतिपूर्ण रहना चाहिए। आगजनी और आपसी हिंसा हमेशा आंदोलन की सबसे बड़ी दुश्मन होती है।

नटरंग प्रस्तुत करता है नया हिंदी नाटक मेरी विरासत मेरा गर्व

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : नटरंग ने अपनी लोकप्रिय साप्ताहिक नाट्य श्रृंखला संडे थिएटर के अंतर्गत रानी पार्क, जम्मू में एक नया, विचारोत्तेजक हिंदी नाटक ष्मेरी विरासत मेरा गर्वष प्रस्तुत किया। जम्मू–कश्मीर राज्य पुरस्कार विजेता एवं राष्ट्रीय फेलोशिप धारक पवन वर्मा द्वारा लिखित और प्रख्यात नाट्य निर्देशक नीरज कांत द्वारा कुशल निर्देशन में प्रस्तुत इस नाटक ने जम्मू की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, भाषा, कला और स्मारकों के संरक्षण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला और दर्शकों को याद दिलाया कि ये धरो. हरें ही किसी समुदाय की असली पहचान और गौरव हैं।

नाटक की शुरुआत कलाकारों के एक समूह द्वारा विरासत, संस्कृति और भाषा के संरक्षण के नारे लगाने से हुई। उनके उत्साह से प्रभावित होकर, एक कथावाचक ने उनके उद्देश्य के बारे में पूछा। कलाकारों ने बताया कि उनका उद्देश्य विरासत के संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाना है। उनके उद्देश्य की सराहना करते हुए, कथावाचक ने दर्शकों को याद दिलाया कि विरासत ही लोगों की असली पहचान है।

इसके बाद जम्मू के ऐतिहासिक मुबारक मंडी महल के इर्द–गिर्द कहानी घूमी, जो कभी डोगरा राजवंश का गौरव था, लेकिन अब खंडहर में तब्दील हो चुका है। मुबारक मंडी का रूप धारण करने वाली एक युवती ने मंच पर प्रवेश किया और महल की वर्तमान स्थिति पर दुख व्यक्त करते हुए, साथ ही यह आशा भी व्यक्त की कि इसके जीर्णोद्धार के प्रयास शुरू हो गए हैं।

सलालपुर में 50वां दंगल धूमधाम से आयोजित

सबका जम्मू कश्मीर

सलालपुर (मढ़ीन) : मढ़ीन तहसील के समीप पड़ते गाम सलालपुर में आज 50वां दंगल बड़े उत्साह और जोश के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर 50 से अधिक पारंपरिक कुश्तियों का आयोजन हुआ।

पहली माली रू 3,10,000 की कुश्ती कठुआ के भागू और दीनानगर के कन्हैया जाट के बीच लड़ी गई, जो बराबरी पर रही। दूसरी माली रू 21,000 की कुश्ती साहिल और जाकर के बीच हुई, जिसमें साहिल ने जाकर को पटकनी देकर जीत दर्ज की।

दंगल कमेटी के सतीश शर्मा (पिंकी) ने कहा

कि बुजुर्गों द्वारा शुरू की गई इस परंपरा को युवा पीढ़ी आगे बढ़ा रही है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहकर खेलों की ओर ध्यान दें।

इस अवसर पर दंगल कमेटी के सदस्य गोपाल शर्मा, पूर्व सरपंच तरसेम लाल, मास्टर साकी, कैप्टन श्याम लाल शर्मा, मुन्ना गोगा सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

मशहूर एक्टर नाना पाटेकर साहेब पहुंचे राजौरी पाकिस्तान गोलाबारी पीड़ितो को लगाया गले 42 लाख रूपये की सहायता एक बच्ची समेत 48 स्कूलों को लिया गोद

अनिल भारद्वाज

राजौरी/जम्मू। फिल्मी दुनिया के मशहूर ऐक्टर नाना पाटेकर जम्मू संभाग के सीमावर्ती जिला रौजरी पहुंचे जहां उन्होंने पाकिस्तान गोलाबारी के पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और राहत सामग्री व आर्थिक सहायता बांटी। इस दौरान नाना साहब भावुक हो गए और कहा कि सीमा पर रहने वाले हमारे अपने लोग हैं जिनके हम खड़े हैं।

मैं तो सिर्फ एक चेहरा हूं असली काम तो पिछे से हो रहा है फिल्म इंडस्ट्री से अमिताभ बच्चन और जानी लीवर भी इस काम में सहयोग कर रहे हैं। काम तो हमारी टीम कर रही हैं।

नाना पाटेकर अपने निर्मला गजानन फाउंडेशन के तहत इस दौरे पर आए थे। उन्होने बताया कि 7 से 10 मई के बीच पाकिस्तान की और से हुई गोलाबारी में जान गंवाने वाले और घरों को नुकसान झेलने वाले 117 परिवारो ं को कुल 42 लाख रु की सहायता दी गई। पाटेकर ने बताया कि उन्होंने एक 11 बर्षीय बच्ची की पढ़ाई की जिम्मेदारी खुद उठाई है जिसके पिता अमरीक सिंह की मौत पुंछ में पाकिस्तानी हमले में हुई थी। यह हमारी छोटी सी कोशीश है यह बताने की कि सीमा पर रहने वाले लोग अकेले नहीं हैं। हमें सरकार पर ही निर्भर नहीं रहना चाहिए हर व्यक्ति को आगे आकर कम से कम एक परिवार को गोद लेना चाहिए।

इस मौके पर उनके साथ 25वीं इन्फैंट्री डिवीजन राजौरी के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल कौशिक मुखर्जी और राजौरी के डिप्टी कमिश्नर अभिषेक शर्मा पुलिस अफसर भी मौजूद थे।

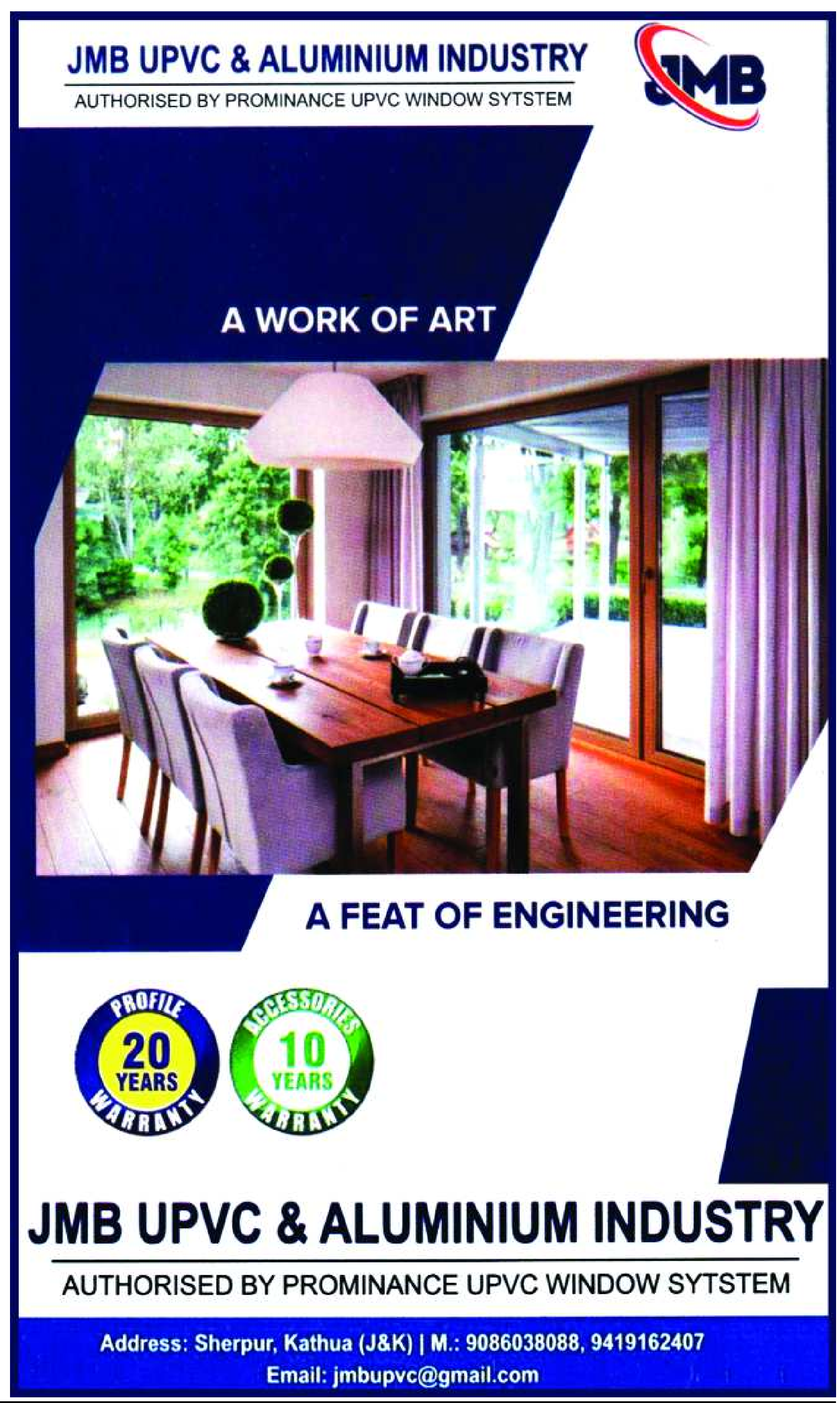

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशकः राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नं: 184151 । संपादकः राज कुमार